फाल्गुन शुक्ल पक्ष अष्टमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 251 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
07 मार्च 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
16 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड की याचिका खारिज, प्रत्यर्पण होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई हमलों के दोषी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका को खारिज कर दी है। तहव्वुर राणा ने भारत प्रत्यर्पण किए जाने से बचने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में राणा ने कहा था कि पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम होने की वजह से उसे भारत में प्रताड़ित किया जाएगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की जज एलेना कगान ने याचिका खारिज कर दी। राणा को 09 में एफबीआई ने गिरफ्तार किया था। राणा को अमेरिका में लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन करने के लिए दोषी ठहराया गया था। फिलहाल वह लॉस एंजिल्स के एक हिरासत केंद्र में बंद हैं।

भाजपा सांसदों ने बदल लिया दिल्ली की सड़क का नाम !

नईदिल्ली। सत्ता बदलने के साथ ही सडकों के नाम बदलने की राजनीति फिर गरमा गई है। भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा और सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने तुगलक लेन पर स्थित अपने घर की नेमप्लेट में 'स्वामी विवेकानंद मार्ग' लिख दिया है। जबकि आधिकारिक रूप से सड़क का नाम नहीं बदला गया है। शर्मा ने सपरिवार पूजन कर गृह प्रवेश किया।

यह है नियम: दिल्ली में किसी सड़क या जगह का नाम रखने के संबंध में एक प्रस्ताव नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को भेजा जाता है। इस पर एनडीएमसी कमेटी विचार करती है। जब प्रस्ताव को मंजूर कर लिया जाता है तो उसकी जानकारी एनडीएमसी के पोस्ट मास्टर जनरल को दी जाती है। दरअसल सड़क या जगह का नाम बदलने को लेकर गृह मंत्रालय की गाइडलाइन है इसके तहत नया नाम रखने के लिए स्थानीय लोगों की भावनाओं का ध्यान रखना होता है. इसके अलावा किसी सड़क या जगह का नया नाम रखने पर कोई भ्रम न हो, इसका ध्यान भी रखा जाना जरूरी होता है।

मुख्यमंत्री ने अफसरों के साथ किया मंथन, शाम को कन्वेंशन सेंटर का शिलान्यास

अब बजट पर सरकार का फोकस, खर्च व कर्ज के बीच संतुलन साधने की कोशिशें

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार अपने बजट की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। आगामी वित्त वर्ष का बजट 12 मार्च को पेश किया जाने वाला है। बजट के आकार पर सीएम खुद ही संकेत दे चुके हैं कि यह करीब चार लाख करोड़ का होगा। आज मुख्यमंत्री बजट सत्र की तैयारियों पर अफसरों से चर्चा कर रहे हैं। जानकार सूत्र बताते हैं कि सरकार ने कई महत्वाकांक्षी योजनाओं को सिरे चढाने के लिए इसमें खास प्रावधानों पर फोकस किया है। हाल में केंद्रीय वित्त आयोग से चर्चा के बाद मप्र सरकार को उम्मीद है कि केंद्र से उसे भरपूर मदद मिलेगी। वित्त आयोग से बैठक के दौरान सीएम यादव ने मप्र के दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए भावी वित्तीय आवश्यकताओं की जानकारी आयोग के समक्ष विस्तारपूर्वक रखी है। अभी बजट करीब 3.65 लाख करोड़ रुपये का है। इसका लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा केवल वेतन-भत्ते, पेंशन, कर्ज और ब्याज की अदायगी पर खर्च होता है। अनुमान है कि यह खर्च और बढगा । वहीं सरकार पर कर्ज की जरूरत से परेशान है इसका बोझ भी बढा है।

सत्र अवधि पर रार

इधर, विस बजट सत्र की अवधि पर फिर रार तेज हो रही है। दस मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र में सिर्फ नौ बैठकें होंगी। रार की वजह यह है कि करीब दो दशक में सत्र और खासकर बजट सत्र की अवधि छोटी हो रही है। 2001 में बजट सत्र 76 दिनों का था, अब ये 15 दिन रह गया है। नेता प्रतिपक्ष उमंगा सिंघार ने सत्रावधि के छोटे होने का विरोध किया है। सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण के बाद 12 मार्च को वित्त मंत्री सदन में बजट पेश करेंगे।

विवाह में शामिल हुए सीएम: मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज खंडवा जिले के पंधाना विकासखंड में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में वचुर्अल शिरकत की। पंधाना में आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा मौजूद रहे। इसमें में 1158 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे । जिनमें से 1137 का विवाह एवं 21 जोड़ों का निकाह संपन्न हुआ ।

शहर के बाहर तक तलाश, बीचों-बीच पूरी हुई आस

कन्वेंशन सेंटर

भोपाल। इधर इंदौर की तर्ज पर अब राजधानी का पहला बड़ा इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर अब मिंटो हॉल के पास मार्च 2026 तक बनकर करने की रूपरेखा बन गई हैं। आज शाम सीएम मोहन यादव इसका शिलान्यास कर रहे हैं। खास बात यह है कि यह कन्वेंशन सेंटर मौजूदा ठाकरे कन्वेंशन सेंटर के बिल्कुल समीप बनाया जा रहा है, इस तरह दोनों के बीच एक 'जुडाव' भी बना रहेगा। मिंटो हाल जहां सौ साल से ज्यादा पुरानी इमारत है तो नया सेंटर नएपन के साथ पारंपरिकता भी लिये होगा,इसका स्वरूप भी मिंटो हाल जैसा ही रखने का विचार है। दरअसल हालिया ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के आयोजन के दौरान भोपाल में एक बडे सभागार की जरूरत शिद्दत से उभरी थी। मानव संग्रहालय में खुले आसमान के नीचे अस्थाई सभागार बनाना पड़ा था।इस समिट के तत्काल बाद कलेक्टर समेत तमाम अफसरों ने भोपाल में कई जमीनें देखी थीं। अब छोटी झील के किनारे नया सेंटर बनेगा तो यह शहर के बीचोंबीच भी होगा। इसके बगल में पुलिस मुख्यालय होगा तो समीप ही राजभवन व सीएम हाउस भी हैं। इस सेंटर के पास ही रविंद्र भवन के दो सभागार भी हैं। बताया जा रहा है कि इस पर करीब सौ करोड़ रुपये की लागत आएगी तथा दो हजार से अधिक लोगों के बैठने की क्षमता वाला सभागार, ठहरने और भोजन की सुविधा के साथ एक कन्वेंशन सेंटर के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं होंगी। पर्यटन विभाग अब भारत सरकार की पूंजी निवेश योजना के लिए राज्यों को विशेष सहायता के तहत परियोजना के लिए राशि की व्यवस्था में जुटा है। इसके लिये वित्त मंत्रालय को प्रस्ताव भेज दिया है।

छतरपुर थाना प्रभारी ने खुद को गोली मारकर जान दी

अकेले रह रहे थे, सागर में है परिवार

छतरपुर, एजेंसी

एक सनसनीखेज मामला के तहत कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। यह घटना देर रात ओरछा रोड थाना क्षेत्र में उनके किराए के मकान में हुई। छतरपुर के डीआईजी ललित शाक्यवार के मुताबिक, कुजूर ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से दाईं कनपटी पर गोली मार ली, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई. घर के केयरटेकर ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। शुरुआती जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है, लेकिन इसकी ठोस वजह अभी तक सामने नहीं आई है। कुजूर छतरपुर में अकेले रह रहे थे, जबकि उनकी पत्नी, जो एक कामकाजी महिला हैं वे 165 किलोमीटर दूर सागर जिले में अपने दो बच्चों के साथ रहती हैं।

उनके करीबी लोगों के अनुसार, वह पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान दिख रहे थे। हालांकि, उनके इस घातक कदम के पीछे की असल वजह क्या थी, यह साफ नहीं हैं। शाक्यवार ने बताया कि पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है। कुजूर के मोबाइल फोन, निजी जीवन और हालिया घटनाओं की भी पड़ताल की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मस्क का स्टारशिप दूसरी बार भी फेल, पहले बूस्टर लौटा फिर 4 इंजन हुए बंद

वाशिंगटन, एजेंसी

अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क के रॉकेट स्टारशिप का लगातार दूसरा टेस्ट फेल हो गया। आठवें टेस्ट में स्टारशिप को भारतीय समयानुसार आज सुबह सुबह 5 बजे बोका चिका से लॉन्च किया गया। लॉन्चिंग के 7 मिनट बाद बूस्टर (निचला हिस्सा) अलग होकर वापस लॉन्च पैड पर आ गया लेकिन 8 मिनट बाद शिप के छह इंजनों में से 4 ने काम करना बंद कर दिया जिससे शिप ने कंट्रोल खो दिया। इसके बाद ऑटोमेटेड अबॉर्ट सिस्टम ने शिप को ब्लास्ट कर दिया। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। फ्लोरिडा तट के पास मौजूद लोगों ने बताया कि स्पेसक्राफ्ट आसमान में फूट गया। गिरते मलबे की वजह से मियामी, ऑरलैंडो, पाम बीच और फोर्ट लॉडरडेल के हवाई अड्डों पर उड़ानें बाधित हुईं। 17 जनवरी को भी स्टारशिप का सातवां टेस्ट पूरी तरह से कामयाब नहीं रहा था। लॉन्चिंग के 8 मिनट बाद बूस्टर (निचला हिस्सा) अलग होकर वापस लॉन्च पैड पर आ गया था, लेकिन शिप (ऊपरी हिस्सा) में ऑक्सीजन लीक से ब्लास्ट हो गया था। दरअसल रीडिजाइन किए गए न्यू जनरेशन शिप की टेस्टिंग की जाना थी। स्टारशिप से पेलोड (4 स्टारलिंक सिमुलेटर) का डिप्लॉयमेंट करने और शिप को लॉन्चपैड पर वापस लाने से जुड़े एक्सपेरिमेंट करना इस मिशन के उदेश्य थे इसके अलावा स्टारशिप के रैप्टर इंजन को स्पेस में फिर से चालू करने, सुपर हेवी बूस्टर को लॉन्चपैड पर कैच करने की भी तैयारी थी।

राहुल गांधी ने गुजरात में डाला डेरा

अहमदाबाद। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी दो दिन के लिये गुजरात में हैं। हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में कांग्रेस की हार के बाद अब राहुल गांधी बीजेपी को उसके सबसे मजबूत गढ़ में घेरने की कोशिश में हैं। वे अप्रैल में होने वाले दो दिन के राष्ट्रीय अधिवेशन से ठीक एक महीने पहले गुजरात में कांग्रेस की जमीन को टटोलने पहुंचे हैं ताकि अधिवेशन में उसी के अनुरुप रणनीति बनाई जा सके। संयोग हैं कि जब राहुल गांधी गुजरात में कांग्रेस नेताओं से मिल रहे हैं तो पीएम मोदी सूरत और नवसारी के दौरे पर रहेंगे। राहुल गांधी आज अहमदाबाद पहुंचकर पीसीसी, जीपीसीसी के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक होगी।

मैदानी मप्र में ठंड का रेकार्ड टूटा, पहाड़ों पर खिली धूप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पहाड़ों से उतरी सर्द हवाओं ने मप्र ने मार्च में भोपाल और जबलपुर शहर को कंपा दिया। इस ठंड ने पिछले 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दोनों ही शहर में तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंचा। अब आज सुबह से भोपाल में राहत महसूस की जा रही है आज तापमान भी बढने के आसार हैं। जबकि राजगढ़, उमरिया-खजुराहो समेत 13 शहरों में तापमान 6 से 9.8 डिग्री तक रहा। उधर पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में कल से अच्छी धूप खिल गई है। मंडी में सबसे ज्यादा 7.0 डिग्री तापमान बढ़ा है। हालांकि, बीते दिनों में हुई बारिश-बर्फबारी के बाद हुए लैंड स्लाइड की वजह से कई सड़कें अभी भी बंद हैं। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि 9 मार्च को नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो सकता है। इस वजह से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में 9 से 12 मार्च तक, जबकि उत्तराखंड में 10 से 12 मार्च तक बारिश-बर्फबारी हो सकती है।

मेट्रो एंकर

एनसीएल बना रहा सबसे बडा विस्थापन प्लान, 35हजार करोड़ बांटेगा

मप्र का एक और शहर 'तबाह' होगा, लीलने को तैयार खदानें

सिंगरौली, एजेंसी

कई शहर अक्सर अपनी सूरत बदलते रहे हैं लेकिन किसी शहर के लुप्त हो जाने के मामले बहुत कम हैं और दुर्लभ जैसे ही हैं। करीब डेढ़ दशक पहले मप्र का एक शहर हरसूद इतिहास बना था, अब फिर मप्र का ही एक शहर इतिहास बनने वाला है। हरसूद की तरह अब सिंगरौली जिले के मोरवा में अब सबसे बड़े विस्थापन की आहट है। करीब बीस हजार से भी ज्यादा मकान इस शहर में तोड़े जाएंगे क्योंकि यहां कोयले का अकूत भंडार मिल गया है। खबरों के मुताबिक इसे लेकर एनसीएल यानि नार्दर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड ने एक मास्टर प्लान बनाया है। इस प्लान के तहत, कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए मोरवा को %पूरी तरह% हटाया जाएगा। यह विस्थापन 2032 तक पूरा होगा। इसमें एनसीएल का खुद का मुख्यालय और आवासीय कॉलोनी भी चपेट में आएगी। कंपनी अगले दस सालों में यहां से कोयला उत्पादन शुरू करना चाहती है। इस प्लान को कोल इंडिया के बोर्ड से भी मंजूरी मिल गई है। इसलिए, मोरवा को अब कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

वैसे तो एनसीएल का का मास्टर प्लान सिंगरौली के लिए एक ब?ा झटका है। इससे लगभग एक लाख लोग विस्थापित होंगे। स्थानीय लोगों के अनुसार, मोरवा में लगभग 20 हजार मकान हैं। यह एशिया का सबसे बड़ा नगरीय विस्थापन माना जा रहा है। यह विस्थापन कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। एनसीएल अब मुहेर सब बेसिन को सिंगरौली मेन बेसिन में मिलाकर तेजी से कोयला खनन करना चाहता है। सिंगरौली कोल फील्ड्स 2202 वर्ग किमी में फैला है। मुहेर सब बेसिन 312 वर्ग किमी में है, जबकि सिंगरौली मेन बेसिन 1890 वर्ग किमी में फैला है। अभी तक कोयला खनन सिर्फ मुहेर सब बेसिन में हो रहा है। लेकिन मास्टर प्लान में पूरे कोल फील्ड्स में खनन की तैयारी है। इसके लिए वार्ड क्रमांक तीन से लेकर दस तक की कुल 1485 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की जाएगी। हालांकि मोरवा के विस्थापितों को मुआवजा दिया जाएगा। यह मुआवजा भी करीब 35 हजार करोड़ रुपए तक हो सकता है। मगर अब देखना होगा कि यह बसे परिवारों को कहां बसाया जाएगा। नया शहर मोरबा से कितने दूर बनेगा। विस्थापित होने वाले लोगों के साथ कोल इंडिया बात कर रहा है और व्यवस्थित प्लानिंग की बात कही जा रही है,लेकिन घर और जडों से दूर होना सभी के लिए मुश्किल भरा फैसला होता है, यह हरसूद के विस्थापन के समय भी बहुत शिद्दत से महसूस हो चुका है।

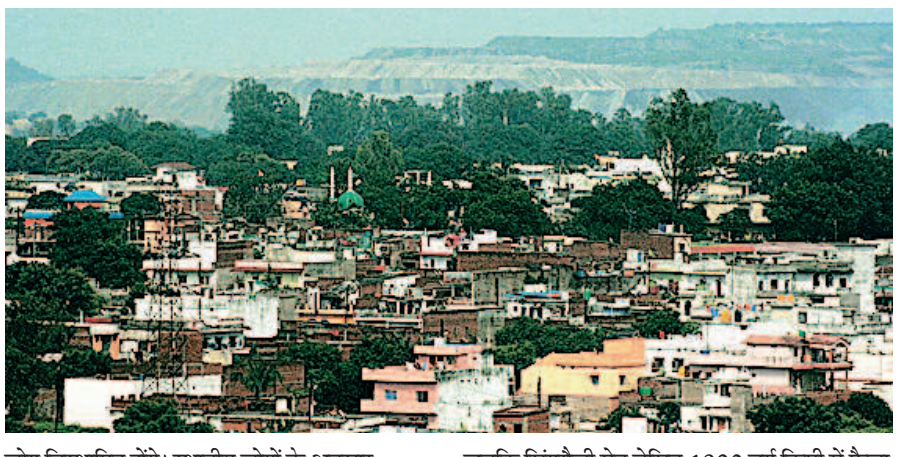

उधर, 50 साल से भटक रहे लोग !

बताया जाता है कि सबसे बड़ा विस्थापन 1972 में हिमाचल में तब हुआ था जब पौंग बांध बना । विस्थापित एवं प्रदेश पौंग बांध विस्थापित समिति के महासचिव हुक्म चंद गुलेरी ने कुछ समय पहले कहा था कि 20722 परिवारों को एक साथ दूसरे प्रदेश के लिए विस्थापित कर दिया था। इन परिवारों में डेढ़ लाख की आबादी थी। ज्यादातर को राजस्थान व कइयों को पंजाब-हरियाणा में अलॉटमेंट का वादा था, मगर 15124 परिवार अलॉटमेंट के हकदार पाए गए और कुछ समय पहले तक इनमें भी 8713 पौंग बांध विस्थापितों को ही जमीन मिल पाई।

शिवपुत्र की शादी में ज्योतिरादित्य भी नाचे

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय की शादी बीती रात लिबर्टी शूज़ के मालिक अनुपम बंसल की बेटी अमानत से हुई। समारोह में देशभर के राजनीतिक और उद्योग जगत के दिग्गजों का जमावड़ा रहा। इसमें केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पत्नी प्रियदर्शिनी संग शरीक हुए, यहां शिवराज व सिंधिया ने सपत्नीक डांस भी किया। शादी में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा समेत मंत्री किरोड़ीलाल मीणा और नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे।

रोइंग चैंपियनशिप

भोपाल के बोड क्लब पर 42वीं नेशनल सीनियर रोइंग चैंपियनशिप में झील पर दौडतीं नौकाए

अर्बन चैलेंज फंड ने खोली शहर में नए फ्लाइओवर की राह

500 करोड़ की जरूरत

पांच प्रस्तावित फ्लाइओवर में से एक बैरागढ़ एलिवेटेड कॉरिडोर पर काम शुरू हो चुका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

केंद्र सरकार के अर्बन चैलेंज फंड ने शहर के प्रस्तावित फ्लाइओवर के निर्माण की राह खोल दी है। प्रदेश सरकार को इस फंड से 6000 करोड़ रुपए मिलने हैं और इसमें से भोपाल को करीब 500 करोड़ रुपए चाहिए। पांच प्रस्तावित फ्लाइओवर में से एक बैरागढ़ एलिवेटेड कॉरिडोर पर काम शुरू हो चुका है, जबकि बजट नहीं मिलने से चार ब्रिज अटके हुए हैं। गौरतलब है कि शहर में बढ़ती आबादी के साथ शहर में क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बढ़ाने का काम भी तेजी से किया जा रहा है। मार्च में ऐशबाग आरओबी के लोकार्पण की उमीद है। अर्बन चैलेंज फंड से शहर विकास से जुड़ी एजेंसियां बजट निकालने में सफल होती है तो हर साल एक या दो ब्रिज शहर में लोकार्पण की उमीद बनेगी।

इंफास्ट्रक्चर की पांच एजेंसियां

शहर में सड़क निर्माण के लिए करीब 5 एजेंसियां काम करती हैं। इनमें नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी प्रमुख एजेंसियां हैं। यहां से नेशनल हाइवे 12 और 46 गुजरता है। हर एजेंसी शहर की सड़कों के लिए सालाना 50 करोड़ रुपए का बजट तय करती है। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकार से सड़कों के लिए मिलने वाली राशि अलग है। ऐसे में अब तक शहर में सड़कों का शानदार नेटवर्क तैयार हो जाना चाहिए था, हालांकि अभी सड़कों की स्थिति बेहतर नहीं है।

ये मंजूर, बजट मिले तो शुरू हो जमीनी काम

- 100 करोड़ रुपए से 1500 मीटर लंबा लाइओवर ब्रिज जवाहर चौक से राजभवन चौराहे तक।
- 200 करोड़ रुपए से 3000 मीटर लंबा ब्रिज हमीदिया रोड पर काली मंदिर से रेलवे स्टेशन तिराहा व आगे शाहजहांनाबाद थाने तक।
- 120 करोड़ रुपए से 2000 मीटर लंबा ब्रिज जयश्री बीटकर अस्पताल के सामने रेतघाट से जीपीओ पोस्ट-ऑफिस तक।
- 90 करोड़ रुपए से 1350 मीटर लंबा ब्रिज रोशनपुरा चौराहा से एमएलबी कॉलेज चौराहे तक।

इनकी अनुमति, बजट भी, निर्माण शुरू होने में

- 120 करोड़ रुपए से बावड़िया चौराहा से विद्यानगर आइएसबीटी के पास तक।
- 14 करोड़ रुपए से बावडिया ब्रिज से एक अतिरिक्त लेग कटारा की ओर रोड पर।
- 40 करोड़ रुपए से मनीषा मार्केट से चूनाभट्टी रोड काली मंदिर के पास तक केबल स्टेब्रिज।
- 68 करोड़ रुपए में छोला मंदिर क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज।
- 140 करोड़ रुपए बीयू से मिसरोद 5.5 किमी लंबाई में एलिवेटेड कॉरिडोर।

राधारमण विहान फेस्ट का आगाज, साहिल की धमाकेदार परफॉर्मेंस पर झूमे दर्शक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राधारमण समूह के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'विहान 2024' का भव्य शुभारंभ आज समूह के रातीबड़ स्थित परिसर में हुआ। इस प्रतिष्ठित आयोजन का उद्घाटन स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा ने किया।

इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा, ÷राधारमण समूह द्वारा आयोजित यह महोत्सव युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। पहले दिन का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध गायक साहिल सोलंकी की धमाकेदार लाइव परफॉर्मेंस रही। जैसे ही उन्होंने मंच संभाला, पूरा परिसर तालियों और सीटियों से गूंज उठा। साहिल ने एक के बाद एक कई शानदार गीत प्रस्तुत किए, जिसमें 'दमादम मस्त कलंदर' और उनके खुद के गाए रीमेक बॉलीवुड सॉन्ग 'दिल ले गई कुड़ी' जैसे सुपरहिट गाने शामिल थे। जैसे ही साहिल ने 'दमादम मस्त कलंदर' गाना शुरू किया, पूरा दर्शक वर्ग झूम उठा। सैकड़ों छात्र-छात्राएं मोबाइल फ्लैश जलाकर ताल से ताल मिलाते नजर आए। उनकी ऊर्जा और दमदार आवाज ने पूरे माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे समां पूरी तरह संगीतमय हो गया। विहान 2024 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं आर्ट्स विला, कल्चरल और टेक्निकल सेगमेंट में आयोजित की जाएंगी। पहले दिन की शुरुआत में रंगोली, पोस्टर मेकिंग, फेस पेंटिंग, सिंगिंग और लैन गेमिंग जैसी प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। राधारमण समूह के चेयरमैन आर. आर. सक्सेना ने इस अवसर पर कहा, विहान केवल एक फेस्ट नहीं, बल्कि छात्रों के लिए अपनी प्रतिभा को निखारने का सुनहरा अवसर है। यह देखकर खुशी होती है कि हर साल इसमें छात्रों की भागीदारी बढ़ती जा रही है।

भिखारी वाले बयान पर नाराजगी, बर्खास्त करने की मांग

कांग्रेसियों ने फूंका मंत्री पटेल का पुतला

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

जनता को भिखारी कहने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संतनगर ने गुरूवार को प्रदेश के मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला जलाया। चंचल चौराहा पर ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया। मारण ने कहा कि मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा सार्वजनिक रूप से जनता को भिखारी कहना यह दर्शाता है कि वे कितना अभिमान एवं घमंड में है मंत्री को यह याद रखना चाहिए की जिन्हें वे आज भिखारी कह रहे। कल उन्हें उनसे ही वोट लेने हैं। मुख्यमंत्री को तत्काल पटेल को केबिनेट मंत्री के पद से बर्खास्त करना चाहिए। यदि पटेल को मंत्री पद से नहीं हटाया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी उप ब्लॉक अध्यक्ष रामभरोसे, राज़ मनवानी, सोनू तोमर, तुलसी जोतवानी, महेश गुरबानी लीलाधर पंवार, विष्णु मारण व अन्य कांग्रेसजन शामिल हुए।

महिला दिवस पर आंखों मुफ्त जांच होगी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सेवासदन नेत्र चिकित्सालय में 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नेत्रों की जांच हेतु आने वाली सभी महिला रोगियों की ओ.पी.डी. का कोई शुल्क नहीं लिया जायेगा । महिला नेत्र रोगी सेवा सदन नेत्र अस्पताल में महिला दिवस पर पूर्वान्ह 10 से अपरान्ह 3 बजे तक इस सुविधा का लाभ उठा सकती हैं । ज्ञातव्य है कि सेवा सदन में कार्यरत 261 कर्मचारियों में से 149 महिला और 112 पुरूष कर्मचारी नेत्र सुरक्षा के काम में लगाये गये हैं। सेवासदन नेत्र चिकित्सालय अस्पताल प्रबंधन ने महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई दी है। बता दे सेवासदन नेत्र अस्पताल में सभी डॉक्टर्स महिलाएं हैं। इसी प्रकार अस्पताल की कुल 261 कर्मचारियों में 149 महिला और 112 पुरूष कर्मचारी सेवारत हैं।

संत गर्ल्स कॉलेज में क्विज, पोस्टर प्रतियोगिता हुई, विजेता पुरस्कृत

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के दूसरे दिन के आयोजन में शैक्षिक और इंटरैक्टिव गतिविधियों में शामिल किया गया। मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों के वैज्ञानिक ज्ञान की परीक्षा ली गई। साथ ही, वैश्विक नवाचारों में भारतीय वैज्ञानिकों की विरासत विषय पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।

क्विज प्रतियोगिता नेहा मेवाड़ा, साक्षी तिवारी और रोशनी विजेता रहीं। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता शिवानी पटेल, बुशरा सिद्दीकी और अंजू चौहान विजयी रहीं। विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में कुल 127 छात्रों ने भाग लिया। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि वे छात्रों में वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने और उन्हें वैश्विक नवाचारों में योगदान देने के लिए प्रेरित करती हैं।

संतनगर से लायंस क्लब ग्रेटर और लायंस क्लब मन्नत ने उपस्थिति दर्ज करवाई

लायंस क्लब मन्नत को चार अवार्ड मिले, रीजन कॉंफ्रेंस में क्लब को किया गया सम्मानित

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 2 के अंतर्गत रीजन कॉन्फ्रेंस कर आयोजन हुआ जिसमें चार जोन में 16 क्लब सम्मिलित हुए सभी क्लब्स का वर्षभर का आंकलन हुआ और अवॉर्ड मिले। कार्यक्रम में इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन अरुणा अभय ओसवाल मुख्य वक्ता थीं। संतनगर से लायंस क्लब ग्रेटर ओर लायंस क्लब मन्नत ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई । मन्नत क्लब को चार अवॉर्ड मिले, जिसमें एक्सीलेंट स्क्रब बुक किरण वाधवानी, आउट स्टैंडिंग फर्स्ट वीपी नैना वाधवानी, एप्रिसिएशन अवॉर्ड यासमीन कौसर और बेस्ट पीस पोस्टर एक्टिविटी अवॉर्ड मन्नत क्लब को लायन का अवार्ड मिला। जो अरुणा ओसवाल रीजन चेयर पर्सन लायन अंशु सिंह डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मनीष शाह चौरसिया द्वारा दिए गए। क्लब को हर बार अवॉर्ड दिए जाते हैं। क्लब डिस्ट्रिक्ट के प्रोजेक्ट पर कार्य करता है। क्लब मन्नत से चार्टर्ड प्रेसिडेंट किरण शशि शर्मा रश्मि दुबे विवेक दुबे एनैना वाधवानी भावना चंदनानी गोविंद राम वाधवानी उपस्थित रहे।

सीएम की खुली छूट, टारगेट पर नक्सली- आत्मसमर्पण करें या मध्यप्रदेश को छोड़ दें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के सामने फिलहाल टारगेट पर नक्सली है। सीएम की खुली छूट के बाद एजेंसियों की सक्रियता बालाघाट, मंडला समेत प्रभावित जिलों में बढ़ी हुई है। प्रत्येक नक्सली गतिविधियों पर नजर है। हर 15 दिनों में सीएम और सीएस समीक्षा कर रहे हैं। केंद्र ने दो टूक कहा है कि जितनी जल्दी नक्सली समस्या खत्म करेंगे, उतना अच्छा होगा। इस केंद्रीय छूट के बाद मप्र सरकार ने पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की कइ मुश्किलें खत्म कर दी है। सीएम ने गुरुवार को नक्सलवाद के खिलाफ मोर्चे पर तैनात सभी विंग के प्रमुखों को बुलाकर समीक्षा की। सूत्रों के मुताबिक अफसरों ने नया प्लान साझा किया है, जिसमें नक्सलियों को पूरी तरह ध्वस्त करने को लेकर काम किया जाना है। बैठक में गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया, डीजीपी कैलाश मकवाना सहित बड़े अफसर भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री ने सभी विंग के प्रमुखों को कहा है कि संसाधनों की कमी नहीं है। बीते 5 वर्षों में 25 से अधिक नक्सली मारे। इन पर 4 करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। सरकार ने नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी आत्म समर्पण प्रोत्साहन योजना पर नए सिरे से काम शुरू किया है तो आम लोगों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त चौकियों को थाने में बदल दिया है।

पहली बार मजबूती से मांगी केंद्र सरकार से राज्य की हिस्सेदारी

16वें वित्त आयोग के सामने मप्र सरकार ने रखी अलग-अलग क्षेत्रों में मांगें

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्र के सामने लंबे समय बाद राज्य सरकार ने मजबूती से अपने हिस्से की हिस्सेदारी मांगने की बात रखी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बकायदा लिखा-पढ़ी में 300 से अधिक पन्नों का मेमोरेंडं आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया को सौंपा। जिसमें कहा है कि अभी केंद्रीय करो में राज्य को 41 प्रतिशत की हिस्सेदारी मिलती है, जिसे बढ़ाकर 48 फीसद किया जाए। सीएम ने इसकी वजह बताई हुए कहा कि राज्य कई क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए राज्य में उद्योग धंधे बढ़ाकर पहले खुद को विकसित करने पर खास जोर देर हा है। नीतियों में इस अनुरूप बदलाव किए है, जिसके तहत निवेशकों को 200 करोड़ तक का प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। इसके अलावा महिला, किसान, गरीब और युवा मिशन शुरू किए जा रहे हैं।

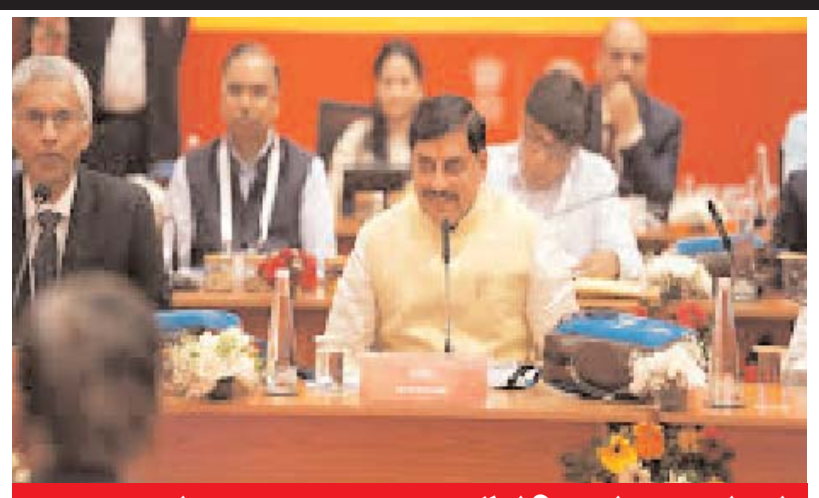

कहा- राज्य में अपार वन संपदा, बड़ा भौगोलिक क्षेत्र, यहां देश के 10 फीसद आदिवासी इसलिए जरुरी करों में बढ़ाई जाए हिस्सेदारी

राज्य की ओर से ये अनुशंसाएं भी

शहर से जुड़े गांव बड़ी समस्या, मिले बराबर की वित्तीय मदद शहर से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों का भार शहरी क्षेत्रों पर पड़ रहा है, लेकिन उन ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए अतिरिक्त मदद नहीं मिल रही है, इसलिए ऐसे ग्रामीण क्षेत्र जो शहरों से जुड़े है, उन्हें भी शहरी क्षेत्रों की तरह वित्तीय मदद दी जाए। ग्रामीण स्थानीय निकाय व शहरी स्थानीय निकाय के बीच अनुदान का अनुपात 60:40 किया जाए। स्थानीय निकायों के लिए एक न्यूनतम सुनिश्चित राशि होनी चाहिए, जो आर्थिक संकट के दौरान अनुदान के रूप में दी जा सके।

ज्यादा वन क्षेत्र वाला राज्य, इसलिए ज्यादा पैसा मिले

भौगोलिक दृष्टि से भी प्रदेश बढ़ा है, इसके लिए 10 फीसद प्रोत्साहन मिले। बड़ा वन क्षेत्र है इसके लिए 15 फीसद राशि दी जाए। यहां जल, जंगल व जमीन देशभर के लिए अच्छा माहौल उपलब्ध कराने में मदद करता है। वहीं वन क्षेत्रों वाले हिस्सों में दूरस्थ स्थानों तक लोगों को सेवाएं देने में अधिक राशि खर्च होती है, इसलिए अतिरिक्त वित्तीय मदद मिले। वन क्षेत्रों में मौजूदा मापंदडो के साथ-साथ खुले वन क्षेत्रों के संवर्धन का भी प्रावधान हो।

आपदा राहत में खर्च की अनुमति दें

राज्य जलवायु और आपदा जोखिम प्रबंधन निधि में अंशदान 75 फीसद से बढ़ाकर 90 फीसद करें। कुल अंशदान में से 15 फीसद राज्य जलवायु परिवर्तन निधि, 70 फीसद राज्य आपदा रिस्पांस के लिए और 15 फीसद राशि राज्य आमदा शमन निधि के तहत खर्च करने की अनुमति के साथ खर्च में लचीलेपन की व्यवस्था करें। ये भी कहा कि राज्य विशिष्ट आपदाओं के लिए निधियों के 10 प्रतिशत उपयोग की सीमा को हटाया जाए। एकल जोखिम के लिए एसडीएमएफ निधि के तहत अधिकतम 50 फीसद उपयोग के प्रतिबंध को हटाया जाना चाहिए।

हस्तांतरण कर 70 फीसद तक बढ़ाया जाए

यदि कोई उप कर या अधिभार लगाया तो अधिभार की वसूली के लिए राज्यों से पूछा जाए। यदि इस अनुशंसा को मान्य किया जाता है तो उपकर और अधिभार की अधिकतम सीमा को सकल कर राजस्व (जीटीआर) के 10 प्रतिशत (प्रत्येक वित्त वर्ष के लिए) तक सीमित किया जाना चाहिए। केंद्र व राज्यों के बीच होने वाले कुल हस्तांतरण में हस्तांतरण कर का अनुपात 70 फीसद तक बढ़ाया जाना चाहिए। 15वें वित्त आयोग में यह 53 व 14वें वित्त आयोग में 62 प्रतिशत था।

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों का मत

- आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया विकास होगा तो शहरीकरण भी होगा। यह जरूरी है लेकिन इसके लिए कदम उठाए जा सकते हैं। रोजगार निर्माण की प्रक्रिया भी साथ-साथ चलना चाहिए। आयोग पर विकसित भारत के लिए रोडमैप बनाने की चुनौती है। वित्त आयोग सभी राज्यों के साथ संवाद कर रहा है। संवाद सत्रों के बाद आयोग के सभी विशेषज्ञ सदस्यों के साथ परामर्श कर राज्यों को वित्तीय संसाधनों के आवंटन पर निर्णय लिया जा सकेगा।
- आयोग के सदस्य डॉ. मनोज पांडा, मध्यप्रदेश में विकास के कार्यक्रमों और नवाचारी पहल अच्छी है।
- आयोग के सदस्य एएन झा ने कहा कि बीते वर्षों में मध्यप्रदेश सबसे ज्यादा आर्थिक वृद्धि करने वाला राज्य है। राज्य कई क्षेत्रों में अन्य प्रदेशों के लिए उदाहरण बन सकता है।
- डॉ. एनी जार्ज मैथ्यू ने विभिन्न सेक्टर पर हुए प्रेजेंटेशनों को देखने के बाद नसीहत दी कि आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देना होगा।
- डॉ. सौम्या कांति घोष ने कहा कि मप्र ने स्वयं को वित्तीय प्रबंधन में आदर्श राज्य बनाया है। यह निरंतर राजस्व आधिक्य वाला राज्य बना। इस राज्य ने 15वें वित्त आयोग के लक्ष्यों को हासिल किया है। सीख दी कि देश के लिए मध्यप्रदेश का जल, जंगल और जमीन जैसे संसाधनों की रक्षा करना जरूरी है।

महिला दिवस पर पेंशनर की अविवाहित-विधवा पुत्री को पेंशन देने की मांग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने पेंशन नियम 1976 में संशोधन कर पेंशनर की मृत्यु के बाद उसकी अविवाहित/विधवा तलाकशुदा/परित्यक्ता पुत्री को केंद्र के समान आजीवन पारिवारिक पेंशन देने की मांग की है । प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि आपकी अध्यक्षता में ही 13 मार्च 2020 को मंत्रालय में पेंशनर फोरम की बैठक में विषयांतर्गत सहमति प्रस्ताव वित्त विभाग को प्रस्तुत किया गया था इसके बाद सिंघल समिति द्वारा भी इस विषय में अनुशंसा के तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी पेंशनर की बेटियों को इसका लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है । एसोसिएशन ने मुख्य सचिव से अनुरोध किया है कि विपत्तिग्रस्त, पीड़ित, असहाय,निराश्रित अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा,परित्यक्ता पुत्री को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च 2025 को आजीवन पारिवारिक पेंशन देने के आदेश जारी किये जाएं।

विधानसभा सत्र में चर्चा का बजट कम, फिर उठे सवाल

दस मार्च से सत्र, सिर्फ 9 बैठकें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र विधानसभा का दस मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र की अवधि को लेकर फिर बहस छिड़ गई है। यह सत्र सिर्फ 15 दिनों का है और नौ ही बैठकें होंगी। दरअसल पिछले 25 साल में विस सत्र और खासकर बजट सत्र की अवधि लगातार छोटी हो रही है। 2001 में जहां बजट सत्र 76 दिनों का था, वहीं अब ये घटकर 15 दिन रह गया है। विपक्षी कांग्रेस ने इस पर विरोध दर्ज कराया है। दस मार्च को राज्यपाल के अभिभाषण के साथ बजट सत्र शुरू होगा। जबकि 12 मार्च को वित्त मंत्री सदन में बजट पेश करेंगे। सत्र के बीच होली का अवकाश भी रहेगा।

खास बात यह है कि गत वर्ष भी बजट सत्र सिर्फ 5 दिन चला था। सत्र बीच में खत्म होने पर कई बार जनहित के मुद्दों पर चर्चा भी अधूरी रहने की बात आती रही है। बजट चर्चा में प्रदेश की वित्तीय हालत से जुड़े कई महत्वपूर्ण मामले चर्चा में आते हैं। हालांकि 2001 में बजट सत्र 76 दिन का था जिसमे 27 बैठकें हुई थीं। वहीं, 2002 और 2003 में बजट सत्र में 28 -28 बैठकों में सरकार का कामकाज हुआ। हालांकि इसके बाद सत्र की अवधि कम होती गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि पहले एक से डेढ़ माह बजट सत्र चलता था पर इस बार सिर्फ 9 दिन का रखा है।भाजपा सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है।

एक दिन चला था सत्र !

साल 2020 में बजट सत्र सिर्फ एक दिन ही चला था। तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 20 मार्च को इस्तीफा दे दिया था। बाद में भाजपा सरकार सत्ता में आई और कोरोना काल के बीच सितंबर में 3 दिन का बजट सत्र रखा गया। ये सत्र एक दिन में ही बजट पेश होने के बाद स्थगित हो गया। वहीं 2015 में बजट सत्र में सिर्फ 7 बैठकें, 2022 में 8 बैठकें हो पाई थीं। पिछले साल जुलाई में मोहन यादव सरकार ने पहला बजट पेश किया था। हालांकि हंगामे के बीच सत्र 5 बैठकों के बाद ही स्थगित हो गया था।

एमपीपीएससी: साक्षात्कार के लिए 26 तक जमा करें जरूरी दस्तावेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 से चयनित हुए अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की सूची मप्र लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) ने जारी की है। इस सूची में 339 अभ्यर्थियों के नाम शामिल हैं। उक्त अभ्यिर्थियों को अगस्त में होने वाले साक्षात्कार में शामिल होने 26 मार्च तक अपने दस्तावेज एमपीपीएससी में जमा करना है। एमपीपीएससी 27 मार्च से तीन अप्रैल तक तीन हजार रुपए के विलंब शुल्क के साथ दस्तावेज जमा करेगा। यहां भी अभ्यर्थी दस्तावेज देने से चूक जाते हैं, तो उन्हें 25 हजार रुपए के विलंब शुल्क के साथ चार से 11 अप्रैल तक दस्तावेज जमा करने का मौका दिया जाएगा। 26 मार्च तक दस्तावेज जमा नहीं करने की दशा में अभ्यर्थियों को 27 मार्च से 3अप्रैल तक तीन हजार का विलंब शुल्क देना होगा। यहां भी दस्तावेज देने से रह जाते हैं, तो उन्हें चार से 11 अप्रैल तक दस्तावेज जमा करने का मौका दिया जाएगा।

एनसीटीई-बीसीआई कोर्स शुरू करने की तैयारी

भोपाल। प्रदेश के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में जल्द ही राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) कोर्स शुरू हो सकते हैं।?हालांकि अभी इसको लेकर शासन की मंजूरी का इंतजार है। मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश का उच्च शिक्षा विभाग काउंसलिंग के माध्यम से एनसीटीई के बीएससी बीएड, बीए बीएड और बीएड पर आगामी सत्र 2025-26 में प्रवेश दे सकता है।
जानकारी के अनुसार, इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एनसीटीई कोर्स का प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को भेजा है। वहीं बीसीआई कोर्स के लिए मंथन चल रहा है। प्रदेश में अभी सिर्फ निजी कॉलेजों में एनसीटीई कोर्स की मान्यता देकर एनसीटीई के उक्त कोर्स में प्रवेश कराए जा रहे थे। उच्च शिक्षा विभाग ने यह परिपाटी बदलने का निर्णय कर लिया है। इसकी शुरुआत एनसीटीई के प्रारंभ कोर्स बीएड, बीपीएड बीएससी बीएड और बीए बीएड से की जाएगी।

संपादकीय

व्यापार की नई जंग

अमेरिका का टैरिफ वार अभी कई देशों को मथ रहा है। इसे नए ट्रेड वार की तरह लिया जा रहा है। दरअसल राष्ट्रपति की कुर्सी संभालने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने कांग्रेस के संयुक्त सत्र को पहली बार संबोधित किया तो उनकी भाषा प्रचार भाषणों या उसी जगह छह हफ्ते पहले दिए गए उद्घाटन भाषण से अलग नहीं दिखी। बल्कि वह बोलने के लिए मंच पर खड़े हुए तब उनकी छेड़ी कारोबारी जंग के कारण शेयर बाजार डूब रहे थे। ट्रंप 90 मिनट से ज्यादा बोले, जो अमेरिका के आधुनिक इतिहास में सबसे लंबा भाषण था। मगर अपने ही गढ़े तथ्यों, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन की बातों, ऊंचे वादों और नाटकीयता के बीच ट्रंप के संबोधन से दो संकेत साफ नजर आए और सबसे घातक यह कि टैरिफ वॉर से पीछे हटने का उनका कोई इरादा नहीं है। उन्होंने मेक्सिको और कनाडा पर 25 फीसदी शुल्क लगाने की धमकी को अंजाम दे डाला और चीन से आयात पर 10 फीसदी शुल्क और लगाकर उसे 20 फीसदी कर दिया। उनके समर्थक कहलाने वाले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने भी ट्रंप के इस फैसले को 'सबसे बेवकूफाना शुल्क उपाय' करार दिया है। कांग्रेस उन्होंने कहा कि बराबरी का शुल्क 2 अप्रैल से शुरू होगा। यानि जो देश अमेरिका पर जितना कर लगाएंगे, वह भी उतना ही कर लगाएगा। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिका गए हैं और ट्रंप ने कहा कि भारत वाहन पर 100 फीसदी कर लगा रहा है। उन्हें यह भी ध्यान नहीं रहा कि भारत ने इस बार के अपने बजट में यह कर घटाकर 30 फीसदी कर दिया है। कुछ भी अप्रत्याशित कहना व करना ट्रंप का शगल है और इसीलिए भारत को यूरोपीय संघ के साथ अपने व्यापार समझौते को जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचा देना चाहिए। पिछले सप्ताह इस सिलसिले में सकारात्मक बातचीत हुई भी है। यह दक्षिण पूर्व एशिया के तेजी से बढ़ते बाजारों के साथ मिलने और शुल्क व्यवस्था को तेजी से दुरुस्त करने का मौका दे सकती है। ट्रंप के भाषण में यूक्रेन-रूस शांति वार्ता आगे बढ़ने का संकेत भी मिला। यूक्रेन को अमेरिकी सहायता के बड़े-बड़े दावों के बावजूद इसके महत्त्वपूर्ण परिणाम हो सकते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ ओवल कार्यालय में हुई तनातनी सार्वजनिक हो जाने के बाद ट्रंप ने जेलेंस्की की तरफ से आई चिट्ठी पढ़ी जिससे लगा कि खनिज सौदे के बदले शांति पर बातचीत परवान चढ़ सकती है। बहरहाल ट्रंप की रिपब्लिकन सदस्यों ने सराहना की मगर डेमोक्रेटिक सांसदों की खाली सीटें बताती हैं कि अमेरिका राजनीति में किस कदर दो-फाड़ है। चीन और कनाडा तथा मेक्सिको के जवाबी वार के बीच व्यापारिक जंग थमती नहीं दिखती, जबकि येल की बजट लैब कहती है कि अमेरिका में कीमत 1 से 1.2 फीसदी तक बढ़ जाएंगी। यानि अब अमेरिका के लोग नवंबर की चुनावी जंग में अपने फैसले की कीमत आंकना जल्द ही शुरू कर सकते हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो भारत जाहिर तौर पर इसे लेकर चुप है लेकिन यह तय है कि भारत पर टैरिफ का असर आंकने की कोशिश तो ही रही होगी। मौजूदा वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए भारत को अपने तई कई तैयारी व विकल्प लेकर चलने होंगे, लेकिन खुद अमेरिका की आर्थिक स्थिति भी उतनी अच्छी नहीं है जितने अच्छे तरह से ट्रंप दबाव बनाने की कोशिश में है।

तो क्या जेलेंस्की, इंदिरा की तरह अमेरिकी राष्ट्रपति को करारा जवाब दे पाएंगे?

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की में जो हालिया तीखी बहस देखी गई है, वह पहली बार नहीं है जब कोई देश अपने हितों के लिए अमेरिका से लड़ा है और अपमानित महसूस किया है। क्योंकि अपने वक्त में यानी 1970 के दशक में भारत की लौह महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी जाने-अनजाने अमेरिका से सीधी टक्कर ली थी। उन्होंने तब अमेरिकी राष्ट्रपति को भारत के पीएम के तौर पर करारा जवाब दिया था और उन्हें घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। हालांकि, तब भी अमेरिका ने पाकिस्तान और चीन को भारत के खिलाफ भड़काने की कोशिश की थी, लेकिन इंदिरा गांधी की रणचंडी वाली भूमिका और रूस से अटूट दोस्ती की वजह से किसी की हिम्मत नहीं हुई थी कि वह भारत की ओर आंख तरेर ले। और जब अमेरिका ने ऐसी जुर्रत की तो रूस के डर से सहम गया। इसलिए दुनिया की मीडिया में यह सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या यूक्रेनी राष्ट्रपति ब्लोदिमिर जेलेन्सकी, भारत की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की तरह अमेरिकी राष्ट्रपति को करारा जवाब दे पाएंगे या फिर बस यूं ही अपमान का घूंट पी कर रह जाएंगे? क्योंकि बदलती वैश्विक कूटनीति के बीच पूरा यूरोप यूक्रेन के साथ खड़ा है। यह अमेरिका की दूरगामी कूटनीतिक विफलता भी है जो उसपर भारी पड़ सकती है। क्योंकि यूरोप-अमेरिका की अटूट दोस्ती से ही एशिया के देश भी भयभीत रहते हैं। बता दें कि जब ब्रिटिश प्रभाव वश अमेरिका पाकिस्तान परस्त हुआ करता था, रूसी दुश्मनी के चलते चीन से रिश्ते मजबूत बना रहा था, तभी अमेरिकी राष्ट्रपति को भारत के प्रधानमंत्री भी आंख दिखा चुकी हैं। एक अप्रत्याशित वाकये के तहत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन को 42 मिनट इंतजार सिर्फ इसलिए कराया, क्योंकि उससे कुछ घण्टे पहले वो ऐसी गलती कर चुके थे। इससे स्पष्ट है कि दुनिया में सुपरपॉवर होने के लिए हथियार और पैसा जरूरी है। लेकिन एक मजबूत और दृढ़प्रतिज्ञ राजनेता होने के लिए नहीं। वैसे भी अब सुपरपॉवर की पहचान मार्केट पॉवर से होती आई है, जंग के मैदान में किसी की ताकत से नहीं। वहीं, एक मजबूत इंटरनेशनल लीडर होने के लिए पर्सनालिटी और अपने देश की जनता का प्यार मिलना जरूरी है। इस मामले में भले ही अमेरिका तो शुरू से ही एक ताकतवर देश रहा है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि इसके राष्ट्रपति किसी और देश के नेता को कमतर आंक सकते हैं। यदि ऐसा होता तो वेनेजुएला, क्यूबा, ईरान जैसे देश नतमस्तक हो गए होते। वियतनाम वार में अमेरिका को शर्मिंदगी झेलनी नहीं पड़ती। क्रास्त्रो जैसे अमेरिका विरोधी नेता की दुनिया में फैन फॉलोइंग नहीं होती। मसलन, आंख में आंख दिखाकर बात करने का जज्बा होना चाहिए। इससे कोई मतलब नहीं कि सामने अमेरिका का राष्ट्रपति बैठा है। हमारे देश के पीएम मोदी ने इसी जज्बे के बूते पूरी दुनिया की कूटनीति में एक अलग मुकाम हासिल किया है। आज किसी और वर्ल्ड लीडर में हम पर दबंगई दिखाने की हैसियत नहीं है। हालांकि, ऐसी हिमाकत तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय की गई थी, लेकिन आयरन लेडी ने तब उसका माकूब जवाब दिया था। इस लिहाज से चर्चा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ अमेरिकी वाइट हाउस में जो हुआ उसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या खुद जेलेन्सकी, या अमेरिकी राष्ट्रपति या फिर दोनों? आपको रूसी हमले से पहले का वक्त याद होगा। तब कैसे नाटो वाले जेलेंस्की को चढ़ा रहे थे। समझा रहे थे कि झुकना मत, रूस हमला करेगा तो हम लोग हैं। इसमें तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल थे। और जब पुतिन ने आर्मी घुसा दी तो यूक्रेन के आसमान को नो फ्लाइ जोन घोषित करने से भी सब के सब पीछे हट गए। वहीं, आज बाइडन के उत्तराधिकारी डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से यूक्रेन से मुंह फेर लिया है, वह किसी विश्वासघात से कम नहीं है। फिर भी यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की जब उनके दर पर अमेरिका गए तो क्या सोच कर गए, यह तो वही जानें? और वहां से बड़े बेआबरू होकर जिस तरह से निकाले गए, यह दुनिया की कूटनीति की एक अनहोनी समझी जा सकती है। हालांकि, इस बात में दम तो है ही कि जेलेंस्की

बिना चुनाव कराए ही सत्ता पर काबिज हैं, क्योंकि युद्ध के बहाने उन्होंने मार्शल लॉ लागू कर रखा है। ऐसे में उन्हें यूक्रेन के लोगों का सपोर्ट भी है या नहीं क्या पता? और फिर जब यूरोप का सपोर्ट था तो वहां अमेरिका में घिघियाने क्यों लगे? जबकि उन्हें डट कर जवाब देना चाहिए था। हां पर भारत और उसके एक पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के हौसले की दाद देनी होगी। क्योंकि हमारा देश भारत भी 1971 में कुछ ऐसे ही हालात से गुजर रहा था। तब पूर्वी पाकिस्तान में बांग्लाभाषी मुसलमानों पर डिक्टेटर यह्या खान की आर्मी जुल्म ढा रही थी। जब यह स्थिति इंदिरा गांधी से ये देखी न गई। तब नवंबर 1971 में उन्होंने अमेरिका जाने का निश्चय किया। वह वहां गईं और जब वाइट हाउस में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन से मिलने पहुंची तो उन्हें 42 मिनट तक इंतजार कराया गया। वहीं, इससे पहले निक्सन और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हेनरी किसिंजर का पाकिस्तान प्रेम जगजाहिर था। किसिंजर तो पाकिस्तानी मदद से चीन तक पहुंच गए थे और दोनों देशों के कूटनीतिक रिश्ते बहाल करने की बुनियाद रख चुके थे। खैर, तब निक्सन भारत की महिलाओं को बदसूरत और न जाने क्या-क्या कहते पाए गए। मसलन, दो साल पहले यानी 2023 में जो डिप्लोमैटिक केबल लीक हुए थे, उससे पता चलता है कि इंदिरा गांधी के लिए भी निक्सन जैसे दोगले नेता गाली निकालते थे। दरअसल, उस दिन वाइट हाउस में इंतजार कराने के बाद इंदिरा गांधी ने उनको स्पष्ट बता दिया कि पूर्वी पाकिस्तान के हालात ठीक नहीं है और हम ज्यादा दिन जुल्मोसितम देख नहीं सकते। लेकिन बदला अभी बाकी था। उस दिन इंदिरा गांधी भी वाइट हाउस के ठीक सामने ब्लेयर हाउस में रुकी थीं। यहीं पर उनके पिता और भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी रूका करते थे। ऐसे में अगले दिन जब निक्सन की मिलने की बारी आई और वो इंदिरा से मिलने ब्लेयर हाउस पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि इंदिराजी रेडी हो रही हैं, आप इंतजार कीजिए। और ठीक 42 मिनट का इंतजार करवाया गया। भले ही तब हमारे देश भारत की ताकत आज जैसी नहीं थी, लेकिन इंदिरा गांधी की थी। क्योंकि उनके हौसले मजबूत थे और इरादे नेक। इसलिए जब उनके अमेरिका से लौटने के बाद उसके शह पर तीन दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान ने जंग की शुरुआत कर दी और भारत ने जबरदस्त पलटवार किया, तब निक्सन-किसिंजर बौखला गए। उन्होंने अपना सातवां बेड़ा बंगाल की खाड़ी में भेजा और इंग्लैंड को अपना एयरक्राफ्ट कैरियर ईगल जहाज अरब सागर की तरफ भेजने पर राजी किया। यहां तक कि किसिंजर ने चीन से यह अपील कर दी कि उत्तर से भारत पर दबाव बनाओ। वो तो भला हो रूस का जिसने ऐन मौके पर अपनी परमाणु पनडुब्बियां भेजकर दोस्ती का फर्ज निभाया और पाकिस्तान के रहनुमाओं को वापस जाना पड़ा। अमेरिकी दोगलेपन को करारा धक्का तब मिला, जब पाकिस्तानी जनरल नियाजी से सरेंडकर कर दिया। हालांकि उसके बाद भी किसिंजर-निक्सन की गुस्ताखी जारी रही। लेकिन इंदिरा पर इसका कोई असर नहीं हुआ। इससे हतप्रभ रह गईं इंदिरा गांधी ने जंग के बीच ही 15 दिसंबर को राष्ट्रपति निक्सन के नाम एक मशहूर चिट्ठी लिखी। फिर वाशिंगटन में भारत के राजदूत एलके झा से कहा कि जाओ और ये चिट्ठी पहुंचाओ। तब रूस-यूक्रेन जंग की तरह हम पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चे पर लड़ ही तो रहे थे। स्पष्ट है कि इंदिरा गांधी के निक्सन के प्रति दृढ़ रुख और जेलेंस्की के साथ ट्रंप के व्यवहार की तुलना कूटनीति में दृढ़ता, रणनीतिक गठजोड़ और गरिमा बनाए रखने के महत्व को उजागर करती है। जहां इंदिरा गांधी भारत के हितों पर अडिग रहीं। तभी तो बातचीत के दौरान दोनों राष्ट्रपति की भाव-भंगिमा पर मॉस्को टाइम्स ने रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ज़ाख़ारोवा के हवाले से यहां तक कह दिया कि गनीमत है कि व्हाइट हाउस में चीख-चिल्लाहट भरी इस बातचीत में ट्रंप ने ज़ेलेंस्की पर हाथ नहीं उठाया। उन्होंने सिर्फ ज़ेलेंस्की के लिए अपशब्दों को इस्तेमाल करते हुए कहा कि ट्रंप और वेंस ने खुद को जिस तरह से रोके रखा वो तो धैर्य का जादू जैसा है। इसी अखबार के अनुसार पूर्व रूसी राष्ट्रपति और पुतिन के सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव ने भी ज़ेलेंस्की के लिए गुस्ताख़ शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि ओवल ऑफिस में उनके साथ सही सुलूक हुआ। बता दें कि मेदवेदेव फिलहाल रूस की सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख हैं। 18 फ़रवरी 2025 को सऊदी अरब में रूस और अमेरिका के बीच बातचीत में वो प्रमुख वार्ताकारों में से एक थे। वहीं, रूस के प्रमुख मीडिया संस्थान आरटी ने विदेश मामलों के कई विशेषज्ञों के हवाले से लिखा है कि यूक्रेन में ज़ेलेंस्की के शासन की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। अखबार ने ग्लोबल अफेयर्स के रूस में प्रमुख संपादक फ्योदोर लुक्यानोव के हवाले से लिखा है कि ज़ेलेंस्की ने ट्रंप के आने के बाद अमेरिकी राजनीति में आए बदलाव को कम करके आंका है। वहीं, एक अन्य विशेषज्ञ अनास्तासिया लिकाचेवा के हवाले से उसने लिखा है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में लोगों ने ऐसा दृश्य लंबे समय से नहीं देखा था। ये किसी रियलिटी टीवी शो जैसा था। ये सारे संकेत बताते हैं के आने वाले दिन और कुछ हफ्ते बेहद ख़तरनाक होने वाले हैं। वहीं, एमजीआईएमओ यूनिवर्सिटी में इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़ के डायरेक्टर मैक्सिम सचकोव ने आरटी से कहा है कि ज़ेलेंस्की ने ट्रंप के साथ बातचीत में वो सारे बटन दबा दिए, जो उन्हें नहीं दबाने चाहिए थे। ज़ेलेंस्की के अड़ियल रवैये ने रूस-यूक्रेन के बीच समझौता कराने का ट्रंप का बड़ा सपना तोड़ दिया। ज़ेलेंस्की की इस यात्रा ने रूस को एक और अतिरिक्त मौका मुहैया करा दिया और उसे इसका इस्तेमाल काफी होशियारी से करना चाहिए।आरटी ने इस तीखी बहस के बाद डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को प्रमुखता से छापा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि यूक्रेन को अमेरिकी सैन्य मदद सिर्फ ज़ेलेंस्की को मजबूत ही करेगा। इससे वो और ज्यादा बातचीत से दूर भागेंगे। हम ऐसे लोगों को नहीं चाहते जो इन समझौतों से मजबूत हो जाए और फिर आंख दिखाए। हम नहीं चाहते कि ये जंग दस साल तक चलती रही। उल्लेखनीय है कि व्हाइट हाउस में ज़ेलेंस्की से बातचीत के बाद ट्रंप ने पत्रकारों से कहा था कि यूक्रेनी राष्ट्रपति कुछ ज्यादा ही बढ़-चढ़ कर बोल रहे थे। वो रूस के साथ समझौते की इच्छा नहीं रखते। वहीं, रूस की समाचार एजेंसी तास ने फॉक्स न्यूज़ के साथ ज़ेलेंस्की के इंटरव्यू का ज़िक्र करते हुए लिखा है कि उन्होंने इस बहस के बाद ट्रंप से माफ़ी मांगने से इनकार कर दिया। एजेंसी के मुताबिक ज़ेलेंस्की ने कहा,मैं राष्ट्रपति ट्रंप का सम्मान करता हूं। मैं अमेरिकी लोगों का सम्मान करता हूं। मेरा मानना है कि हमारी बातचीत खुली और ईमानदार थी। और मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ खराब काम किया। इस प्रकार से जहां कई रूसी मीडिया आउटलेट्स ने ट्रंप और ज़ेलेंस्की इस बातचीत के विवाद में फंसने के लिए यूक्रेनी राष्ट्रपति को दोषी ठहराया है, वहीं यूक्रेनी मीडिया ने ज़ेलेंस्की का पक्ष लिया है। कई यूक्रेनी मीडिया आउटलेट्स में प्रमुख कीव इंडिपेंडेंट ने अपने एक संपादकीय में लिखा कि अब साफ बोलने के समय आ गया है। इस युद्ध में अमेरिकी नेतृत्व ने पाला बदल लिया है। लेकिन अमेरिकी लोगों ने पाला नहीं बदला है। उन्हें अब अपनी आवाज़ उठानी चाहिए। पिछले कई हफ्तों में, अमेरिकी नेतृत्व ने यूक्रेन के प्रति अपनी दुश्मनी साफ तौर पर दिखाई है। ट्रंप ने अपने बयानों और नीतियों को रूस के पक्ष में कर दी हैं। अमेरिका के सहयोगी यूक्रेन के राष्ट्रपति इतिहास में पहले ऐसे विश्व नेता बने जिन्हें व्हाइट हाउस से बाहर निकाला गया। जबकि वो कोई तानाशाह नहीं थे, न कोई बदनाम राजनेता थे। वो यूक्रेन के राष्ट्रपति हैं जो 21वीं सदी में सबसे भयावह आक्रमण से पीड़ित देश के नेता हैं। वो देश जहां अमेरिकी प्रशासन ने शांति लाने की कसम खाई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने यूक्रेन को मिल रही मदद के लिए कृतज्ञ न होने के लिए ज़ेलेंस्की को फटकार लगाने की कोशिश की। क्योंकि ट्रंप चाहते थे कि वो उनके सामने झुकें। निश्चित रूप से ज़ेलेंस्की खुद को संयमित करके और अपनी भावनाओं को काबू करके बात कर सकते थे लेकिन उन्हें ऐसी स्थिति में डाल दिया गया था कि वो इससे पार नहीं पा सकते थे। क्योंकि ट्रंप ने कई बार गलत तथ्य और आंकड़े पेश किए, जबकि ज़ेलेंस्की ने उन्हें ठीक किया। अखबार के मुताबिक, जब ट्रंप ने कहा कि ज़ेलेंस्की शांति में अड़चन डाल रहे हैं, भले ही उनका देश बर्बाद हो गया है। तब यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि ट्रंप ने कई बातें ऐसी की, जिससे ऐसा लगा कि ये पुतिन के निर्देश में क्रेमलिन से आई हैं। ऐसे में ज़ेलेंस्की ने ठीक ही कहा कि हो सकता है कि पुतिन यह जानकारी साझा कर रहे हों कि उन्होंने हमें नष्ट कर दिया। लेकिन हमने ट्रंप से पूछा कि पिछली बार राष्ट्रपति पुतिन से आपने कब बात की थी और उन्होंने क्या कहा था?वहीं, यूक्रेनस्का प्रावदा ने भी ज़ेलेंस्की के फॉक्स न्यूज़ को दिए गए इंटरव्यू का ज़िक्र किया है, जिसमें उन्होंने ट्रंप से माफी मांगने से इनकार किया था। ज़ेलेंस्की ने कहा था,मुझे नहीं लगता कि हमने कुछ खराब काम किया है। हम लोकतंत्र और स्वतंत्र मीडिया का पूरा सम्मान करता है। लेकिन कुछ चीजें हैं जहां हमें यूक्रेन की स्थिति समझना होगा इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि क्या जेलेन्सकी, इंदिरा गांधी की तरह अमेरिकी राष्ट्रपति को करारा जवाब दे पाएंगे? या फिर मन मसोसकर रह जाएंगे, गुज़श्ता वक्त बताएगा। **(साभार: ये लेखक के विचार हैं।)**

नशे के खिलाफ महत्वाकांक्षी युद्ध कारगर साबित हो

■ **ललित गर्ग**

लोगों के पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके। ड्रग्स उपभोग के मामले में पंजाब की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बन गई है। पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है। पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम

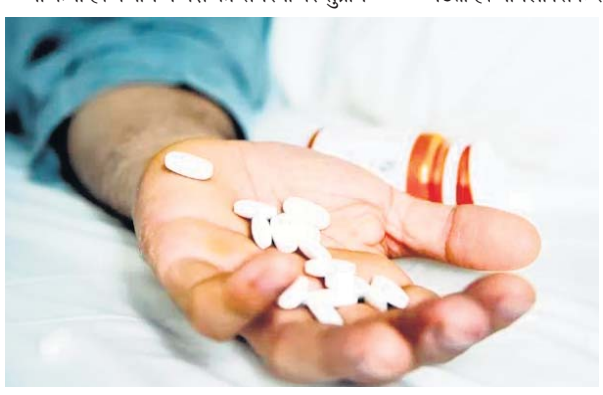

कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। अगर कोई पडोसी देश चाहे तो नशे के आतंक से देश को खत्म कर सकता है। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे सीमाओं की सुरक्षा होगी? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों है पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने जीवन के अस्तित्व पर चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। पंजाब सरकार की ताजा सख्त कार्रवाई का संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है। पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। इससे प्रतीत होता है कि सरकार एवं ड्रग्स माफिया का चोली दामन का संबंध है। जिससे समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। प्रदेश में हेरोइन, अफीम, गांजा, चरस के अलावा अन्य नशों के साथ कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन बढ़ने लगा है। अकेले एसटीएफ ने पंजाब भर में अलग-अलग जगहों पर छापामारी कर 2 करोड़ 68 लाख 77 हजार 596 कैप्सूल व नशीली दवाइयां पकड़ी हैं। कैप्सूल और नशीली दवाइयों का चलन ज्यादातर फरीदकोट, बठिंडा और पटियाला क्षेत्र में बढ़ा है। पूर्व सरकारों ने जो दावे किए वे प्रभावहीन ही रहे हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर नासूर बनती इस समस्या को जड़मूल से समाप्त करने के लिये कमर कसे। वैसे नशे को समाप्त करने के महत्वाकांक्षी युद्ध में आप सरकार विजयी होती है तो यह उसकी बड़ी सफलता होगी।

ऐसे देश में निवास न करें जहां आपका सम्मान न हो, आप अपनी आजीविका नहीं कमा सकते, कोई मित्र नहीं है, या ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकते।
-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1876 अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने टेलिफोन का पेटेंट हासिल किया।
- 1906 फिनलैंड में महिलाओं को वोट डालने का अधिकार मिला।
- 1911 हिंदी के उल्लेखनीय लेखक और साहित्यकार हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन का जन्म।
- 1925 मंगोलिया पर सोवियत रेड आर्मी ने बाहरी कब्जा।
- 1949 भारतीय राजनीतिज्ञ गुलाम नबी आज़ाद का जन्म।
- 1952 वेस्ट इंडीज के धाकड़ बल्लेबाज विवियन रिचर्डस का एंटीगुआ में जन्म हुआ।
- 1955 भारतीय अभिनेता अनुपम खेर का जन्म हुआ।
- 1961 स्वतंत्रता सेनानी गोविंद वल्लभ पंत का निधन।
- 1969 इजरायल ने गोल्डा मीर को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री चुना।
- लेवी एशकोल की निधन के बाद उन्हें प्रधानमंत्री बनाया।

निशाना

खूब हो रही बैठक !

-कृष्णेन्द्र राय

चिंतन मंथन चल रहा।
हो कैसे सुधार ?
रूठ गई है जनता।
ना करती उपकार।।
कायाकल्प हो पुनः।
है ऐसा प्रयास।।
जनता को नहीं आया पर।
कार्यशैली रास।।
खूब हो रही बैठक।
नहीं निकलता हल।।
ले रहे संकल्प।
उत्तम करना कल।।
कहां हो रही ग़लती।
नहीं समझ ये आया।।
है लेकिन ये सत्य।
हो रहा सफाया।।

नगरीय विकास अभिकरण के निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

पीएम आवास योजना के अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करवांए सभी सीएमओ:कलेक्टर

- शहरी क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण पर व्यापक कार्यवाही करें नगर पालिकाएं
- ग्रीष्मकाल में सुचारू पेयजल व्यवस्था के लिए अस्थाई माध्यमों से आपूर्ति सुनिश्चित की जाए

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. लक्ष्य निर्धारित कर पीएम आवास योजना के तहत अपूर्ण आवासो को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाए। शहरी क्षेत्र की सीमाओं में अतिक्रमण के विरुद्ध व्यापक कार्यवाही करें सभी नगर पालिकाएं। जिले की किसी भी निकाय में जल संकट जैसी स्थिति उत्पन्न ना हो यह सुनिश्चित करें सभी नगर पालिका अधिकारी। उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने गुरुवार को आयोजित नगरीय विकास अभिकरण के तहत चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए।

उन्होंने निकायवार निर्माण कार्यों, विकास कार्यों, योजनाओं, आदि की समीक्षा की। कलेक्टर सुश्री मीना ने पीएम आवास योजना शहरी के तहत कुल प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप किया गए कार्य एवं अपूर्ण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 4 माहों में अपूर्ण कार्यों को निराकृत करने का लक्ष्य निर्धारित करें। कलेक्टर ने कहा कि सभी नगर पालिका अधिकारी आवासों की जानकारी अनुसार चिन्हित करे कि कितने आवास अपूर्ण है उन्हे सर्वप्रथम पूरा किया जाए साथ ही इस कार्य जो प्रारंभ होने की स्थिति में नहीं है उन्हे सरेंडर करने की कार्यवाही करें। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि ठोस कार्ययोजना बनाकर आगामी जून माह तक अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों की संख्या को शून्य किया जाए। अभियान मोड में इस कार्य को सुनिश्चित करे सभी सीएमओ।

इसी प्रकार जियोटेगिंग मॉनिटरिंग तथा किस्तों को जारी किए जाने में किसी भी प्रकार का विलंब न हो इसका ध्यान रखें। साथ ही कलेक्टर ने निकायवार वसूली एवं मांग की भी विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि वसूली के मामलो में कर वसूली के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप वसूली की जाए एवं नियमित रूप से इसका फॉलो अप भी सुनिश्चित करें। वसूली के लिए विशेष कैंप्स भी आयोजित करें।

अमृत योजना के तहत किया जा रहे समस्त कार्यों में संबंधित ठेकेदार एवं विभाग गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें, कलेक्टर ने मध्य प्रदेश शहरी विकास कंपनी लिमिटेड उक्त निर्देश देते हुए कहा की योजना के तहत किए जा रहे कार्यों में गति बनाए रखें साथ ही कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। कलेक्टर सोनिया मीणा ने कहा कि योजना अंतर्गत खराब गुणवत्ता रेस्टोरेशन कर में विलंब को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित संस्था जवाबदारी पूर्ण तरीके से कार्य संपन्न करे।

पेयजल व्यवस्था को निर्बाध एवं सुचारू रूप से जारी रखें

कलेक्टर ने आगामी ग्रीष्म काल को दृष्टिगत रखते हुए सभी सीएमओ को निर्देश दिए की समस्त नगरीय निकायों में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिन निकायों में जल संकट जैसी समस्याओं की संभावना हो उन स्थानों को चिन्हित कर टैंकर आदि से जलापूर्ति की अस्थाई व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाए।

समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि शहरी सीमाओं के भीतर अतिक्रमण पर अधिक प्रभावी कार्यवाही किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने निर्देश दिए कि निकायों में अतिक्रमण के विरुद्ध स्थान को चिन्हित कर वहां से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जाए। साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा बताए गए अतिक्रमण के मामलों को भी गंभीरता पूर्वक लिया जाए। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की यह जवाबदारी है कि अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत अवैध अतिक्रमण, शासकीय भूमियों पर अवैध कब्जा, दुकानों को व्यवस्थित करने जैसी कार्यवाही निरंतर रूप से चलती रहना चाहिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने संभल योजना के तहत आवेदन ऑन कि शीघ्र जांच उपरांत उनके निराकरण के लिए भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए उन्होंने कहा कि किसी भी नगरीय निकाय में योजना से संबंधित आवेदनों के निराकरण में बेवजह विलंब न हो इसका विशेष ध्यान रखें। इसी के साथ ई केवाईसी के मामलों में गति बनाए रखे तथा यथाशीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

ई-ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

शासकीय कार्यालयों में 31 मार्च 2025 से ई-ऑफिस प्रणाली लागू किया जाना है। जिले में ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिला स्तर पर स्थित कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को ई दक्ष केंद्र नर्मदापुरम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण 03 मार्च से प्रारंभ होकर 21 मार्च 2025 तक विभागवार संचालित होगा। बुधवार को प्रशिक्षण के दौरान संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री जे पी यादव, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एसपीएस बिसेन सहित अन्य अधिकारियों ने ई ऑफिस प्रणाली के संचालन के संबंध में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डी.आई.ओ. एन.आई.सी. मनीष गुणवान, ए.डी.आई.ओ. एन.आई.सी. श्रेया गुप्ता एवं जिला प्रबंधक ईगवर्नेंस संदीप चौरसिया द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यों तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय व उपयोग, दस्तावेज तैयार करना व अनुमोदन प्रक्रिया, रिपोर्टिंग व फाइल ट्रैकिंग, सुरक्षा उपाय व गोपनीयता इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में डी.आई.ओ. एन.आई.सी. मनीष गुणवान ने बताया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग सिखाया जा रहा है, ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें। इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी।

सीआईएसएफ सुरक्षा सप्ताह अंतर्गत साइकिल रैली

नर्मदापुरम। सीआईएसएफ सुरक्षा सप्ताह-2025 के दौरान विशेष सुरक्षा अभियान के तहत 06 मार्च को प्रातः 06.30 बजे केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई एस पी एम नर्मदापुरम में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ कमांडेंट मनीष सिंह, सहायक कमांडेंट एसके राय, निरीक्षक नीरज तेलांते, एन के बिष्ट, वीके सिंह और इकाई के लगभग 60 बल सदस्यों द्वारा साइकिल रैली में उत्साह पूर्वक भाग लिया गया।

तेन्दूखेड़ा थानांतर्गत सहजपुर इमलीडोल मार्ग पर हुआ हादसा

घाट की ढलान पर अनियंत्रित होकर पलटा वाहन एक की मौत, 3 जबलपुर रेफर अन्य का इलाज जारी

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बुधवार की रात 10 बजे तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सहजपुर इमलीडोल मार्ग पर स्थित चमक भटरिया की घाट पर एक 407 वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया जहां इस हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं जहां 108 की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से तीन लोगों को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है वहीं घटना की जानकारी के बाद घटनास्थल और स्वास्थ्य केंद्र में कोई भी पुलिस कर्मी मौके पर नहीं पहुंचे बताया गया है कि घायल हुए लोग बारात करके वापस लौट रहे थे लेकिन रास्ते में थे ड्राइवर की लापरवाही के चलते हादसा हो गया वहीं घटना के एक से डेढ़ घंटे बीतने के बाद स्वास्थ्य केंद्र पहुंची थी अब पुलिस मामले की जांच कर रही है

वाहन गायब , घटनास्थल पर जांच में जुटी पुलिस

वहीं हादसे के 12 घंटे भी नहीं बीते थे कि 407 वाहन घटनास्थल से रात में ही गायब हो गया है जहां पर हादसा हुआ था वहां पर शादी में मिली सामग्री घटनास्थल पर टूटी-फूटी अवस्था में पड़ी हुई है लेकिन सुबह वाहन घटनास्थल पर नहीं था जिसके चलते लोगों का कहना है कि वाहन को मालिक द्वारा रात में ही उठवाकर सुरक्षित रखवा दिया गया है वहीं लोगों का कहना है रात में भी घटनास्थल पर पुलिस नहीं पहुंची थी ना ही सुबह जिसके कारण अभी भी लाखों रुपए की शादी में मिलने वाली सामग्री घटनास्थल पर पड़ी हुई है पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही

क्रासिंग के दौरान हुआ हादसा

इस हादसे में तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के रोसरा महगुवा ग्राम के आदिवासी समाज के लोग थे जो 407 वाहन से सुबह इमलीडोल ग्राम के बारह गांव बारात लेकर गए हुए थे लेकिन वापस आते समय तेन्दूखेड़ा मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर सहजपुर इमलीडोल मार्ग पर स्थित चमक भटरिया की घाट की उतार पर क्रासिंग के दौरान हादसा हो गया है जहां घटना की जानकारी मिलते ही 108 वाहन के पायल नेपाल सिंह और डॉ बसंत चक्रवर्ती मौके पर पहुंचे और घायलों को उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया घायल हुए लोगों ने बताया कि वह शादी समारोह से वापस अपने घर आ रहे थे लेकिन रास्ते में हादसा हो गया हादसे में घायल और मृतक लोग अलग-अलग समाज के है

वहीं इस हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं और एक युवक की मौत हो गई है जिनमें देवी सींग पिता धुरे गौड़ उम्र 70 वर्ष ग्राम महगुवा कलन बाई पति छुट्टन गौड़ उम्र 50 ग्राम महगुवा सुरेश सत्यम पिता रामलाल गौड़ उम्र 9 वर्ष ग्राम महगुवा को गंभीर चोटे आने के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है वहीं शेरु पिता सुंदर लाल बसोर उम्र 45 वर्ष प्रदीप पिता रम्मू बसोर उम्र 30 वर्ष बड्डू पिता भूल्ले सींग गौड़ उम्र 30 इस हादसे में घायल हुए हैं जिनका इलाज तेन्दूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र में चल रही है वहीं सुरेश पिता शकंर सेन उम्र 30 वर्ष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है वहीं स्वास्थ्य केंद्र में आए घायलों ने बताया कि अन्य लोग भी घायल हुए हैं जिन्हें मामूली चोटे आई थी लेकिन वह इलाज ना कराकर घटनास्थल से ही घर निकल गए इस हादसे में तीन लोगों को जबलपुर रेफर किया गया है जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है

एक की मौके पर ही मौत

वहीं घटना के संबंध में हादसे में घायल हुए लोगों ने बताया कि हादसा सिंगल मार्ग पर क्रासिंग के दौरान हुआ है जहां इमलीडोल सहजपुर मार्ग पर स्थित चमक भटरिया की घाट पर वाहन उतार पर था तभी अचानक से सामने एक बोलेरो कार आ गई जिसे बचाने के चक्कर में क्रासिंग के दौरान वाहन 407 अनियंत्रित हो गया और घाट उतरते ही सड़क किनारे पलट गया लोगों का कहना है वाहन की रफ्तार तेज थी जिसके कारण लोगों को गंभीर चोटें आई हैं और एक की मौके पर ही मौत हो गई लोगों का कहना है कि सुरेश सेन ड्राइवर के साथ बैठा हुआ था जहां वाहन सुरेश की और पलटने से उसकी मौत हुई है वहीं घायल हुए लोगों का कहना है चालक 407 वाहन को तेज रफ्तार में दौड़ रहा है 407 वाहन घाट पर कंट्रोल नहीं होने के कारण चालक वाहन पर कंट्रोल नहीं कर पाया और हादसा हो गया।

बाइक सवार हादसे का शिकार जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा! गुरुवार की शाम 7 बजे तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सागर जबलपुर स्टेट हाईवे 15 पर नाग बाबा के समीप बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर घूम रहे मवेशियों से टकराकर घायल हो गया जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से गंभीर हालत होने के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार इमरत पिता सुन्दर चक्रवर्ती उम्र 45 निवासी मूगदुपुरा थाना तेंदूखेड़ा प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है

जनपद पंचायत सोहागपुर का मामला

निर्देश के बावजूद जिला पंचायत ने नहीं कराई सीईओ कार्यकाल की जांच !

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. एक अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारी के कारनामों की जांच करने से क्यों कतराते हैं इसका कारण समझ में नहीं आ रहा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बावजूद भी. क्या वह अपने विभागीय अधिकारी को बचाना चाहते हैं या उनके साथ कोई समझौता करके हित संवर्धन को सार्थक करना चाहते हैं, यह सवाल उठने लगा है। जबकि जांच को लेकर नर्मदापुरम कमिश्नर के पत्र व कलेक्टर के पत्र एवं जिला पंचायत के पत्र के परिपालन में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम द्वारा जनपद पंचायत सोहागपुर के पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोनी के कार्यकाल की जांच नहीं की जा रही। हाल में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा 13/12/ 2024 को पुनःएक स्मरण पत्र जारी करते हुए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को निर्देश दिए हैं कि उक्त मामले की जांच कर तीन दिवस में

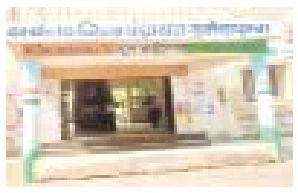

जांच प्रतिदिन प्रस्तुत करें. इस पत्र को भी दो माह होने वाले हैं. लेकिन इस पत्र को भी जांच अधिकारी ने अनदेखा कर दिया।

सूत्रों से पता चला है कि सोहागपुर जनपद पंचायत के पूर्व मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोनी इस समय किसी अन्य विकासखंड में पदस्थ हैं और वह नहीं चाहते कि उनके कार्यकाल के भ्रष्टाचार की जांच हो. संभावना व्यक्त की जा रही है कि जिला पंचायत के जांच अधिकारी सोनी से किसी तरह साथ सांठगांठ बनाने में लगे हुए हैं।

क्या है मामला

जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत सोहागपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जब सोहागपुर में पदस्थ थे तब उनके वाहन की लाग बुक कार्यालय से नदारत थी. वर्ष 2022-23 में सोनी द्वारा कार्यालय के अधिकृत वाहन पर करीब ?700000 खर्च किए थे. जिसमें वाहन का किराया एवं ईंधन का खर्च शामिल था. यह वाहन कहां-कहां चला इसका हिसाब देना पड़ता है. क्योंकि सरकारी धन से वाहन का किराया भी दिया गया है और उस वाहन में खर्च होने वाला ईंधन का बिल भी भुगतान किया गया है. वाहन की लागबुक से ही पता चलता है कि वाहन कहां-कहां चला है और जो ईंधन का भुगतान किया गया है वह कितने किलोमीटर चलने पर कितना लीटर ईंधन खर्च किया गया है.

जब सूचना के अधिकार के तहत एक आवेदक ने इस संबंध में जानकारी चाही तो जनपद पंचायत को सोहागपुर के पास इस वाहन के ईंधन संबंधी राशि का कोई हिसाब किताब तो मिला. वाहन का किराया भुगतान एवं ईंधन पर खर्च की राशि के बिलों की प्रमाणित प्रति भी मिली. यह वाहन कहां-कहां चला इसका कोई हिसाब जनपद पंचायत के पास नहीं है.

मेट्रो एंकर | मध्यप्रदेश विज्ञान एवं तकनीकी परिषद्, भोपाल के सहयोग से आयोजित हुआ कार्यक्रम

वीरांगना रानी दुर्गावती कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का समापन समारोह

तेंदूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

नगर के अमर वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं तकनीकि परिषद्, भोपाल के आर्थिक सहयोग से दिनांक 25 फरवरी से आयोजित हो रहे राष्ट्रीय विज्ञान दिवस- 2025 का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम, माहविद्यालय के प्राचार्य श्री शंकर सिंह ठाकुर की अध्यक्षता, डॉ अरुणेन्द्र कुमार पटेल के समन्वयन में आयोजित हुआ, मंच संचालन डॉ मनीषा कुमारिया ने किया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि के रूप में संत अलायासिस महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर से पधारे डॉ अखिलेश पाठक एवं श्री नितिन स्वामी और विशिष्ट अतिथि के रूप में एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी, डी.आर.डी.ओ., बैंगलोर से वैज्ञानिक- ई श्री कुशमेन्द्र पटेल वर्चुअल रूप से शामिल हुए। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की छायाचित्र के सम्मुख अतिथिगणों द्वारा दीप प्रज्वलन कर

के किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथिगणों का स्वागत माहविद्यालय के प्राचार्य श्री शंकर सिंह ठाकुर द्वारा स्मृतिचिन्ह भेट करके किया गया। जिसके उपरांत कार्यक्रम के समन्वयक डॉ अरुणेन्द्र कुमार पटेल द्वारा आयोजित किये गए कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई, उनके द्वारा बताया गया कि, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन दिनांक 25 फरवरी से किया गया, जिसमें विभिन्न दिवसों में पोस्टर प्रतियोगिता, मॉडल प्रतियोगिता, औषधीय पौधों की प्रदर्शनी एवं रंगोली प्रतियोगिता शामिल थी। विज्ञान संकाय के लगभग सभी विद्यार्थिओं द्वारा किसी ना किसी विधा में सहभागिता की गई। उसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया, जिसमें उन्होंने सर सी. वी. रमन के द्वारा विज्ञानं के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद किया गया।

विषय विशेषज्ञ व्याख्यान के प्रथम सत्र में डॉ अखिलेश पाठक ने विकसित भारत के बारे में जानकारी दी एवं विकसित भारत के लिए आत्मबोध क महत्व बताया। द्वितीय व्याख्यान में वैज्ञानिक श्री कुशमेंद्र पटेल द्वारा विज्ञान दिवस के महवत्व को बताते हुए, विकसित भारत की दिशा में डी आर डी ओ द्वारा किया जा रहे प्रयासों एवं उपलब्धियों के जानकरी दी गई। तृतीय व्याख्यान में श्री नितिन स्वामी द्वारा वैज्ञानिक उत्कृष्ठता में भारत की यात्रा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया, उन्होंने बताया भारतीय संस्कृति आदिकाल से ही वैज्ञानिक परंपरा को अपने में समाये हुए है। उन्होंने आगे वैदिक एवं प्राचीन काल में विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान की। साथ ही विद्यार्थिओं में वैज्ञानिक सोच को विकसित करने पर जोर दिया। एवं अलग अलग क्षेत्रों में कार्य करने वाले शोधार्थियों जैसे चरक, ब्रम्हगुप्त,सुश्रत, आर्यभट में जानकारी प्रदान की।

डायवर्सन के गड़बड़ झाले में प्रशासन कर रहा करवाई की तैयारी

वेयरहाउस मलिक, मैरिज गार्डन, स्कूल व होटल संचालक लगा रहे शासन को चूना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

डायवर्सन के नाम पर बड़े गड़बड़ झाले को अंजाम विकासखंड में दिया जा रहा जितनी जगह कागजों में दर्शाया है उससे अधिक भूमि का उपयोग करके के इस खेल को अंजाम देने तथा सरकार को हर साल राजस्व ना देना पड़ा उसके लिए नए-नए तिकड़म लगाने का काम विकासखंड में बखूबी किया जा रहा है। यह सब इनके द्वारा केवल डायवर्सन की राशि कम चुकाने के लिए ज्यादातर बड़े कारोबारियों के द्वारा जितनी जगह का उपयोग व्यापार करने के लिए किया जा रहा है। लेकिन इन लोगों के द्वारा केवल 25 से 30 प्रतिशत जगह का ही सरकारी रिकॉर्ड में डायवर्सन कराकर बाकी जगह का उपयोग व्यवसाय के लिए वास्तव में नहीं किया जा रहा है शासन के रिकॉर्ड में नहीं होने से लाखों का नुकसान सरकार को प्रतिवर्ष हो

रहा है। ऐसा करने वालों में काम में अधिकांश वेयरहाउस मलिक ,मैरिज गार्डन संचालक बड़े-बड़े स्कूल चलाने वाले, होटल और उद्योग संचालित करने वाले एवं कई व्यवसाईयों के द्वारा ऐसा किया जा रहा है, इनकी जांच करने के लिए कोई जाता नहीं है पटवारी आर आई कागजों में खानापूर्ति करते रहते हैं। इस काम को नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में जितने भी वेयर हाउस और बड़े कारोबार करने वाले ज्यादातर लोग के द्वारा किए जा रहे हैं। इनकी जानकारी भी अधीनस्थ अमले को है पर कोई कुछ नहीं कर रहा है।इन्होंने जो डायवर्सन करवाया है उसका सत्यापन वास्तव में करवाया जाए तो बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा भी हो सकता है। इसके बाद ऐसा करने वालों से जितनी जगह का उपयोग इन्होंने व्यवसाय करने के लिए किया गया उसे हिसाब से शुल्क लिया जाता है तो राजस्व की भारी वृद्धि होंगी इसका फायदा हर साल मिलेगा इसके अलावा जांच में इनकी गलती साबित होने पर जुर्माना भी इन लोगों से वसूल सकता है पर इसके लिए धरातल पर एक तरफ से जांच के बाद सही कार्रवाई होगी तभी हो पाए यदि शासन प्रशासन के अधिकारी खानापूर्ति के लिए इस काम करेंगे तो कुछ हाथ नहीं लगेगा क्योंकि इस काम को करने वालों को कई अधिकारी कर्मचारियों संरक्षण प्राप्त होता है उनकी मिली भगत से ही तो इस काम को है इतने सालों से करते आ रहा है ।

कॉलोनी काटने वाले भी नहीं है पीछे

अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों के द्वारा भी डायवर्सन के नाम पर इस काम को अंजाम दिया जा रहा है जितनी भी कॉलोनी यहां पर विकसित हुई है। जो कि अवैध रूप से बन रही है उनके डायवर्सन की भी सही जांच हो जाए तो इस काम में भी गड़बड़ी साबित हो सकती है। कॉलोनाइजर ने जितनी जगह का डायवर्सन करवाया हैं उसे दुगनी में जगह में कॉलोनी काटकर प्लाट बेचन है। कुछ कॉलोनी काटने वालों ने तो डायवर्सन कराए बगैर ही प्लाट बेचने का काम किया है इन सब की भी एक तरफ से जांच हो तो शासन को लाखों रुपए राजस्व के रूप में इन लोगों से मिल सकते हैं। पर ऐसा करने की हिम्मत अधिकारी और कर्मचारी जूट पाएंगे या तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा अधिकांश पटवारियों एवं आर आई की भूमिका भी डायवर्सन में महत्वपूर्ण रहती है। इनके द्वारा अपने काम को गंभीरता से नहीं किया जाता है यह जानबूझकर अनदेखा करके सरकार को नुकसान पहुंचाने में अपनी भूमिका निभा रहा है।

इनका कहना है

डायवर्सन के नाम पर यदि किसी ने भी गलत किया है तो हम जांच के बाद करवाई करेंगे कलेक्टर ने भी डायवर्सन में वृद्धि करने के निर्देश दिए।

-हर्षल चौधरी एसडीएम

समाजसेवियों व पत्रकारों ने दिलाई गाड़ी कलेक्टर ने दिव्यांग मीडियाकर्मी को हेलमेट प्रदाय किया

विदिशा। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की पहल पर दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट का उपयोग करने के लिए जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर ने स्वयं आज अपने हाथों से दिव्यांग मीडियाकर्मी श्री तौसिफ अहमद को अपने हाथों से हेलमेट भेंट कर वाहन चलाते वक्त उपयोग करें की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि आमजन स्वमेव इस ओर पहल करें। इस दौरान तौसिफ अहमद से चर्चा कर कलेक्टर ने अन्य योजनाओं का लाभ मिल रहा है कि नहीं को जाना है।

भीख मांगने पर दिए बयान को लेकर, प्रहलाद पटेल का जलाया पुतला, चंद कांग्रेसी रहे मौजूद

सिरोंज। प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तथा जिला अध्यक्ष के निर्देश पर गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस एवं नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा भीख मांगने पर दिए बयान को लेकर मंत्री पटेल के द्वारा कांग्रेसियों ने जनपद कार्यालय के सामने पुतला दहन किया और उनके बयान की निंदा करते हुए प्रदर्शन करके नारेबाजी इस प्रदर्शन के संबंध में एक दिन पहले ही नगर तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने विरोध प्रदर्शन के सम्मिलित होने के लिए कांग्रेसियों को बुलाया था वहीं पुतले करने के लिए गिने चुने कांग्रेसी ही इस दौरान नजर आ रहे थे।इससे इनका प्रदर्शन विफल नजर आया । या फिर काहे की मंत्री का विरोध करने की हिम्मत सभी कांग्रेस न जुट सके इस कारण गिने चुने ही कार्यकर्ता पुतला दहन और प्रदर्शन करने के लिए पहुंचे दूसरा कांग्रेस में अभी भी गुटबाजी हावी है। जब कोई चुनाव आता है तो टिकट मांगने के लिए तो बहुत आते हैं विरोध प्रदर्शन से लेकर धरातल पर बहुत कम कांग्रेसी दिखाई देते हैं। कांग्रेसियों ने मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल पर जनता को भिखारी कहने के विरोध में जनपद कार्यालय के सामने ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश यादव के नेतृत्व में मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला दहन कर उनके इस्तीफे की मांग की गई।

नाले मे फूटी लाइन को नगर पालिका अध्यक्ष ने खड़े होकर करवाया ठीक

सिरोंज। मंडी बाईपास रोड पर स्थित नाले में पानी सप्लाई की लाइन लीकेज होने से कुछ दिनों से सप्लाई प्रभावित हो रही थी आसपास के क्षेत्र में जल सप्लाई नहीं हो पा रही थी इसके अलावा नाला भी चौंका होने से पानी भी नहीं निकल पा रहा था। जानकारी लगने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू , उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ ने मौके पर पहुंच कर इंजीनियर की मौजूदगी में लाइन के लीकेज को ठीक करवा कर नाले की सफाई भी करवाई इसके बाद यहां की समस्या का समाधान होने पर कॉलोनी में जल सप्लाई भी व्यवस्थित रूप से प्रारंभ हो गई है। नाला की सफाई होने से पानी भी निकलने लगा कुछ दिन पहले यहां पर रहने वाले लोगों को मुश्किलों को सामना करना पड़ा सबसे बड़ी परेशानी पानी को लेकर हो रही थी।

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजनातंर्गत 160 जोडे विवाह बंधन में बंधे

विदिशा, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना अंतर्गत आज विदिशा के श्रीरामलीला मेला प्रागंण में आयोजित कार्यक्रम में 160 वरवधु विवाह बंधन में बंधे। योजना अंतर्गत 117 कन्या विवाह और 43 निकाह इस प्रकार कुल 160 जोडो का विवाह हुआ है। मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना अंतर्गत विदिशा के श्रीरामलीला मेला में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा जनपद अध्यक्ष श्री वीर सिंह रघुवंशी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा जिला पंचायत के अतिरिक्त

सीईओ श्री पंकज जैन, विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा ने नव वरवधु को उपहार भेंट करते हुए शुभाशीर्वाद प्रदान किया है।

बस स्टैंड से हटाया अतिक्रमण

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले जबेरा नगर स्थित बस स्टैंड पर जनपद पंचायत द्वारा मार्केट बनाया गया था जिसकी दुकानों की नीलामी भी पूर्ण हो चुकी थी परंतु बस स्टैंड पर बना हुआ पुराना जर्जर अवस्था में यात्री प्रतीक्षालय व उसके आसपास टप ब ठेला बालों द्वारा अवैध अतिक्रमण किया गया था जिसकी शिकायत लगातार बस स्टैंड व्यापारियों द्वारा एसडीएम तहसीलदार व मुख्य कार्यपालन अधिकारी से की जा रही थी। कुछ दिन पूर्व एसडीएम सौरभ गंधर्व व मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामेश्वर पटेल से इसकी शिकायत की गई थी मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम सौरव गंधर्व ने तहसीलदार सोनम पांडे को अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित किया था जिस पर गुरुवार को नायब तहसीलदार अटल बिहारी वर्मा व जनपद सीईओ रामेश्वर पटेल, आरआई,पटवारी ब पुलिस स्टाफ के साथ बस स्टैंड पर पहुंचे ब जेसीबी की मदद से जर्जर अवस्था का पुराना राज्य परिवहन का यात्री प्रतीक्षालय व आसपास के टप,हाथ ठेला वालों को हटाते हुए अतिक्रमण मुक्त किया गया।

नेशनल लोक अदालत प्रचार-प्रसार वाहन को न्यायाधीश पीडीजे ने दिखाई हरी झंडी

विदिशा। लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला न्यायालय परिसर से एक विशेष वाहन रैली का आयोजन किया गया। इस रैली को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश एवं समन्वयक नेशनल लोक अदालत श्री जीसी शर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री पीडी यादव, समस्त न्यायाधीशगणों ने सहभागिता निभाई।

समृद्धि योजना अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों का प्रशिक्षण आयोजित

विदिशा, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला विदिशा द्वारा स्वैच्छिक संगठनों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन जिला पंचायत के सभागार में किया गया था।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ श्री वरूण आचार्य, संभाग समन्वयक भोपाल, श्रीमति पूजा बंधैया जिला समन्वयक, विदिशा एवं श्री अमित कुमार दधीच संस्था भोपाल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

म.प्र. जन अभियान परिषद जिला विदिशा की जिला समन्वयक श्रीमती पूजा बंधैया द्वारा अतिथियों का परिचय कराते हुए जन अभियान परिषद की अवधारणा का प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम के अगले सत्र में श्री वरूण आचार्य, संभाग समन्वयक भोपाल द्वारा परिषद द्वारा किये जा रहे कार्यो की विस्तृत जानकारी एवं ग्राम विकास में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका के विषय में अवगत कराया। श्री अमित कुमार दधीच एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर द्वारा स्वैच्छिक संगठन की संरचना एवं प्रबंधन विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में उपस्थित स्वैच्छिक संगठनों द्वारा भी उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो का प्रस्तुतिकरण किया

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किए जाने की मांग को लेकर जम्प की बैठक आयोजित

जम्प के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरूण सक्सेना के नेतृत्व में सिरोंज से दिल्ली पहुचेगें पत्रकार साथी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश जम्प के बैनर तले राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किए जाने को लेकर होने जा रहें आयोजन को लेकर सिरोंज में जम्प की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जम्प के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 26 मार्च के आंदोलन हेतु 1 दिवस पूर्व दिल्ली पहुंचा जाए और तय समय सीमा में अपना धरना आंदोलन पूर्ण किया जाए। वही उन्होने कहा कि बैठक में तय हुए बिंदुओं के परिपालन में सभी पत्रकार

साथियो अपने अपने स्तर पर दिल्ली पहुचने की बात कही। जिस पर सभी पत्रकार साथियो ने तन मन धन से सहयोग की बात कही। गौरतलब है कि मप्र से लगभग 300 साथी बीएसपीएस के आव्हान पर दिल्ली पहुंच रहे है। जिससे दिल्ली इकाई द्वारा संचालित कार्यालय के अलावा देशभर के पत्रकार साथियों हेतु दिल्ली के जनकपुरी में ठहरने हेतु पत्रकार साथियों की व्यवस्था की जाएगी। वही जम्प के जिला अध्यक्ष तोषमणी पंथी ने बताया कि जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश जम्प के बैनर तले राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किए जाने को लेकर होने जा रहे आयोजन के लिए 25 मार्च को सिरोंज से पत्रकार साथी बीना से भोपाल एक्सप्रेस के माध्यम से दिल्ली के लिए रवाना होगे।

अचानक मौसम में हुआ बदलाव लौटी सर्दी

सिरोंज। मार्च का महीना शुरू होते ही मौसम में बदलाव देखने को मिला है बैसे तो मार्च के महीना प्रारंभ होते ही गर्मी का एहसास होने लगता है इस बार उल्टा ही देखने को मिल रहा है ठंड लौट आई है। वहीं कुछ दिनों पहले गर्मी का एहसास भी होने लगा था पर दो दिनों से मौसम हुए परिवर्तन के बाद ठंडी हवाएं चल रही है। दिन में भी ठंड का एहसास हुआ हो रहा है रात में तो वाहन चलाना मुश्किल हो रहा है। इस वजह से मार्च के महीने में ठंड लौटने से गर्म कपड़े भी बाहर निकल आए हैं ।दूसरी ओर फसलों के लिए मौसम में ठंडक होने से फायदा हो रहा है गर्मी पढ़ने से इनकी फसलें जल्दी पक कर तैयार हो जाएगी पैदावार में कमी आएगी सबसे ज्यादा नुकसान जिन किसानों ने लेट फसलें लगाने कार्य किया है उनके उत्पादन में गिरावट होती पर ठंड होने से इनके उत्पादन में भी गिरावट नहीं होगी।

बंदियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए

विदिश। जिला जेल विदिशा में बंदियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के विशेष प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। जेल अधीक्षक श्री पीड़ी श्रीवास्तव ने बताया कि आज जिला जेल विदिशा में स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से 42 पुरुष कैदियों एवं 04 महिला कैदियों कुल 46 कैदियों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। आयुष्मान कार्ड आशा कार्यकर्ताओं द्वारा बनाए गए, जिसमें जेल विभाग के कर्मचारियों द्वारा सक्रिय सहयोग किया गया।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना मुरवास में दर्ज अपराध प्रकरण 176/2024 के फरार आरोपी कृष्णपाल राजपूत पुत्र प्रेमसिंह राजपूत निवासी ग्राम सेमरापाल थाना जिला राजगढ एवं थाना नटेरन में दर्ज अपराध क्रमांक 38/2025 के फरार आरोपी प्रदुम्न पुत्र सरदार सिंह मीणा उम्र 23 साल निवासी ग्राम सोमवारा थाना नटेरन की सूचना देने, गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए प्रत्येक दोनो प्रकरण के लिए क्रमशः दो-दो हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है।

मेट्रो एंकर मप्र प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग के सदस्यों द्वारा बैठक आयोजित कर मार्गदर्शी सिद्धांतों से अवगत कराया

शासन की मंशा है कि जनोन्मुखी प्रशासन सुलभ और सुगम हो : मिश्रा

विदिशा, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सदस्य द्वय पूर्व आईएएस श्री एसएन मिश्रा, श्री मुकेश शुक्ला और सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में जिला स्तरीय बैठक कर आयोग द्वारा प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तहसील, उपखण्ड प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धांतों से अवगत कराया गया है।

आयोग के सदस्य श्री एसएन मिश्रा ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनोन्मुखी प्रशासन हो, सुलभ हो, शासन द्वारा जिलों में क्रियान्वित योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सुगमता से पहुंचे और आम जनों को दी जा रही सुविधाओं बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा का बेहतर क्रियान्वयन हो पर विशेष जोर दिया। उन्होंने प्रशासनिक इकाइयों की पद संरचना एवं उनके आकार एवं कार्यों के अनुपात में पदों की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासनिक इकाइयों की पद संरचना के युक्तियुक्तकरण पर गहन प्रकाश डाला।

आयोग के सदस्य श्री एसएन मिश्रा ने कहा कि जिला मुख्यालय पर अपनी समस्याओं को लेकर

पहुंचने वाले खंड, तहसील, व ग्रामीण नागरिकों को समय पर सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिले यह हम सबका नैतिक दायित्व है। विकसित भारत का संकल्प अंतर्गत जनसंख्या की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासनिक व्यवस्था किया जाना है। शासन की मंशा अनुरूप तहसील, उपखण्ड पुनर्गठन यदि प्रस्तावित हो तो वे इस तरह किया जाए ताकि प्रशासनिक सेवाएं जिले के नागरिकों को और अधिक सुगमता से प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि तहसील या उपखण्ड बनाने से पहले उनकी भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या घनत्व, बुनियादी सुविधाएं और प्रशासनिक जरूरत को प्राथमिकता दी जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का आंकलन कर जिला प्रशासन द्वारा अपने स्तर पर सभी सुझावों को एकत्रित कर आयोग को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

फीडबैक लेकर सुझाव दें

आयोग के सदस्य श्री मुकेश शुक्ला ने बैठक में समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों एवं तहसीलदारों से कहा कि वह किसी भी प्रशासनिक इकाई के पुनर्गठन से पहले जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से फीडबैक लेकर आपस में समन्वय स्थापित करें। राजस्व सीमाओं के पुनर्गठन का सुझाव कलेक्टर की और प्रेषित करें कलेक्टर सभी प्रस्तावों पर विचार करके अपने सुझाव एवं निर्णय से आयोग को अवगत कराएंगे।

श्री शुक्ला ने बताया कि जनपद एवं तहसील की सीमाओं का युक्तियुक्तकरण किया जाना है लेकिन यदि युक्तियुक्तकरण की आवश्यकता नहीं है तो युक्तियुक्तकरण नहीं भी किया जाएगा। मध्य प्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सदस्यों द्वारा इस कार्य हेतु कॉर्डिनेशन के लिए जिला स्तर पर एक अधिकारी को नोडल का दायित्व पर जाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

आवश्यक सुझाव भेजे जाएं

आयोग के सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने प्रशासनिक पुनर्गठन आयोग की इस बैठक में जानकारी देते हुए बताया कि पूर्ण पारदर्शिता के साथ पुनर्गठन के कार्यों का संपादन किया जाएगा। सभी जिलों में तहसील और उपखण्ड के लिए बैठकों का आयोजन कर सुझाव प्राप्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि पुनर्गठन प्रक्रिया में जो भी प्रस्ताव भेजे जाएं वह आम नागरिकों की आवश्यकता के अनुरूप ही तैयार हों। आमजन भी आयोग को सीधे ईमेल www.mpaurc.mp.gov.in के माध्यम से भेज सकते है।

2000 में न्यूज़ीलैंड ने टाइटल जीता, टीम इंडिया को 63 फीसदी आईसीसी मैच हराए

25 साल बाद फिर चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भिड़ेंगे भारत-न्यूज़ीलैंड

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूज़ीलैंड 25 साल बाद फिर एक बाद चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भिड़ने वाले हैं। दोनों 9 मार्च को दुबई में खिताबी मुकाबला खेलेंगे। इससे पहले 2000 में नैरोबी के मैदान पर हुआ फाइनल न्यूज़ीलैंड ने आखिरी ओवर में 4 विकेट से जीता था। आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबलों में न्यूज़ीलैंड ने ही भारत को सबसे ज्यादा परेशान किया है। टीम भारत को 2019 वनडे वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल और 2021 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी हरा चुकी है।

न्यूज़ीलैंड के पास लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट का इकलौता आईसीसी टाइटल चैंपियंस ट्रॉफी ही है। साल 2000 में भारत ने केन्या, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई। वहीं न्यूज़ीलैंड ने जिम्बाब्वे और पाकिस्तान को हराया। नैरोबी के मैदान पर फाइनल में न्यूज़ीलैंड ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। भारत से कप्तान सौरव गांगुली ने 117 और सचिन तेंदुलकर ने 69 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई और बैटर कुछ खास नहीं कर सका और टीम 6 विकेट खोकर 264 रन ही बना पाई। न्यूज़ीलैंड ने 132 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां क्रिस कैर्न्स ने क्रिस हैरिस के साथ पारी संभाल ली। दोनों ने छठे विकेट के लिए 122 रन की पार्टनरशिप की और भारत को मैच से बाहर कर दिया। कैर्न्स ने शतक लगाया और 2 गेंदें बाकी रहते टीम को जीत दिला दी। कैर्न्स ही प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

चैंपियंस ट्रॉफी में तीसरी बार ही भिड़ेंगे: 27 साल के चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास में दोनों टीमें तीसरी बार ही भिड़ेंगी। इसी साल ग्रुप स्टेज में भी दोनों का सामना हुआ, तब भारत ने दुबई के ही मैदान पर न्यूज़ीलैंड को 44 रन से हराया था। अब 9 मार्च को फिर एक बार दोनों का सामना दुबई के मैदान पर ही होगा। आईसीसी के सभी टूर्नामेंट में भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच 16 मैच हुए। 10 में न्यूज़ीलैंड और महज 6 में टीम इंडिया को जीत मिली। हालांकि, आईसीसी के वनडे टूर्नामेंट में दोनों ने बराबरी के मैच ही जीते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी और वनडे वर्ल्ड कप में दोनों के बीच 12 मैच हुए, 6 में न्यूज़ीलैंड और 6 में ही भारत को जीत मिली।

नॉकआउट स्टेज में न्यूज़ीलैंड 75 फीसदी मैच जीता : भारत के खिलाफ न्यूज़ीलैंड आईसीसी के ग्रुप स्टेज मैचों में तो हावी रहता ही है, नॉकआउट स्टेज में भी दबदबा दिखाता है। दोनों के बीच 4 नॉकआउट मैच हुए, 3 में न्यूज़ीलैंड और महज 1 में भारत को जीत मिली। 2023 से पहले तक तो न्यूज़ीलैंड ने भारत को तीनों नॉकआउट मैच हराए थे। ये हार 2000 के चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल, 2019 के वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और 2021 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में मिली थी। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत ने इस ट्रेंड को तोड़ा और न्यूज़ीलैंड को 70 रन से हरा दिया।

ओवरऑल वनडे क्रिकेट में जरूर टीम इंडिया ने न्यूज़ीलैंड पर दबदबा बनाए रखा है। दोनों के बीच 95 मैच हुए, 63 में भारत और महज 30 में न्यूज़ीलैंड को जीत मिली। यानी भारत का सक्सेस रेट 66त्न रहा। दोनों ने 1 टाई और 1 बेनतीजा मैच भी खेला।

पिछले 10 साल में भारत ने 85 फीसदी वनडे हराए: भारत ने पिछले 10 साल में न्यूज़ीलैंड पर और भी ज्यादा दबदबा बना लिया है। 2016 से दोनों के बीच 20 वनडे हुए, 17 में भारत और महज 3 में न्यूज़ीलैंड को जीत मिली। हालांकि, न्यूज़ीलैंड की 3 में से एक जीत आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में आई। भारत से विराट कोहली न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एक्टिव प्लेयर हैं। उन्होंने कीवी टीम के खिलाफ 32 वनडे में 6 शतक लगाकर 1656 रन बनाए हैं। रोहित शर्मा न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 997 रन बना चुके हैं। वहीं शुभमन गिल ने 11 ही मैचों में 74 की औसत 592 रन बनाए हैं।

42 की उम्र में भी सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय खिलाड़ी हैं शरत कमल, अब लेंगे संन्यास

चेन्नई , एजेंसी

दिग्गज टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल ने बुधवार को घोषणा की, कि चेन्नई में होने वाला डब्ल्यूटीटी कंटेंडर टूर्नामेंट पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा। विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) टूर्नामेंट 25 से 30 मार्च तक चेन्नई में खेला जाएगा। ओलंपिक में पांच बार भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले शरत के दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 42 साल की उम्र में भी वे सर्वोच्च रैंक वाले भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

2018 और 2022 रहे यादगार साल: शरत कमल ने 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में एक स्वर्ण, एक रजत व दो कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष टीम स्पर्धा का स्वर्ण, पुरुष युगल में रजत और पुरुष एकल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसी साल हुए जकार्ता एशियन गेम्स में शरत ने दो कांस्य पदक अपने नाम किए। 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में शरत ने पुरुष एकल, मिश्रित युगल व टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर गोल्डन हैट्रिक लगाई। इसी साल उन्हें भारत के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

साल 2006 मेंरचा इतिहास: शरत कमल को वर्ष 2004 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने लगातार पांच राष्ट्रीय खिताब जीते। मेलबर्न में 2006 के राष्ट्रमंडल खेलों में शरत कमल ने पुरुष एकल में स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया था। वे ऐसा करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी थे। उन खेलों में भारतीय पुरुष टीम ने भी स्वर्ण पदक जीता था। 2010 में, वह मिस्र ओपन जीतकर आइटीटीएफ प्रो टूर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। शरत कमल ने कहा, मैंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में खेला था और आखिरी भी चेन्नई में ही खेलूंगा। यह मेरा आखिरी टूर्नामेंट होगा। ओलंपिक में पदक नहीं जीत पाने का मलाल मुझे हमेशा रहेगा।

मेट्रो बाजार

सरकारी योजनाओं और एमएसपी बढ़ने से ऑटो सेक्टर हुआ मजबूत

मुंबई, एजेंसी

कोविड में ऑटो सेक्टर में सबसे अधिक गिरावट रही। लोगों ने अपनी नौकरियां खोईं, साथ ही सेविंग भी समाप्त हुईं। इससे ऑटो मार्केट पर बहुत बुरा असर पड़ा। हालांकि कोविड से उबरने के बाद अब ऑटो बाजार ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। कोविड के बाद थोड़ा समय लगा पर बाजार के दिन बदलने लगे। बाजार को सामान्य स्थिति में लाने में सरकार द्वारा पेश की गई योजनाओं और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान देते हुए कृषि उत्पादों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने का बड़ा योगदान रहा। जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में पैसो का प्रवाह बढ़ा और लोगों की सेविंग बढ़ने लगी। इस कारण ऑटो सेक्टर विशेषकर दोपहिया सेगमेंट ने रफ्तार पकड़ी। ग्रामीण इलाकों में जहां ट्रांसपोर्टेशन की काफी समस्या होती है। इसलिए वहां दोपहिया वाहनों की मांग अच्छी रहती है। इसकी वजह से इस सेगमेंट में पिछले साल सितंबर महीने से मजबूत ग्रोथ देखने को मिली है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने बताया कि पिछले साल सितंबर महीने से अभी तक ऑटो सेक्टर ने मजबूत ग्रोथ के साथ रिकार्ड बिक्री देखी है। इसकी मुख्य वजह सरकार द्वारा एमएसपी और ग्रामीण इलाकों साथ ही शहरी क्षेत्रों के लिए विशेष स्कीम पेश करना रहा। इस वजह से उनके पास बचत शुरू हुई और ऑटो सेक्टर में अच्छी बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। सालाना आधार पर 2024 अप्रैल में दो पहिया वाहनों की ग्रोथ 33 प्रतिशत रही। तीन पहिया की 9 प्रतिशत, यात्री वाहन की 16 प्रतिशत और कमर्शियल वाहनों की ग्रोथ 2 प्रतिशत देखी गई।

दाल के साथ जीरा की छौंक में भी महंगाई का तड़का

नईदिल्ली, एजेंसी। रसोई का बजट बिगाड़ने में पहले अनाज और दूध ने योगदान दिया, फिर आलू-प्याज इसमें शामिल हुए और अब फिर से दालों की महंगाई की शुरुआत हो गई है। इसके साथ ही दाल में छौंक लगाना भी महंगा हो गया है। जीरा की मजबूत मांग और धीमी आपूर्ति के कारण थोक मंडियों में जीरा की कीमतों फिर से 31,000 रुपए प्रति क्विंटल के करीब पहुंच गई। पिछले एक महीने में ही जीरा करीब 34 फीसदी महंगा हो गया। जीरा की सबसे बड़ी मंडी उंझा में जीरा के दाम बढ़कर 30,952 रुपए प्रति क्विंटल हो गए हैं, जबकि पिछले महीने 16 अप्रेल को इसकी कीमत 23033 रुपए प्रति क्विंटल थी। यानी एक महीने में जीरा करीब 8000 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया है। हालांकि मई, 2023 के मुकाबले जीरा अभी भी 33 फीसदी सस्ता बिक रहा है। कीमतें बढ़ने की उम्मीद की वजह से किसान और स्टॉकिस्ट माल बेचने मंडी नहीं आ रहे हैं।

अब एशियन गेम्स में भारत के पदक 107 से घटकर 106 हो जाएंगे

परवीन के निलंबन से एशियन गेम्स का पदक भी गंवाएगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी

महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा को पता-ठिकाने संबंधी नियमों के उल्लंघन के कारण 22 महीने के लिए निलंबित किए जाने के बाद भारत को हांगझाऊ एशियन गेम्स का कांस्य पदक गंवाना पड़ सकता है। अब एशियन गेम्स में भारत के पदक 107 से घटकर 106 हो जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (आइटीए) ने 12 महीने में तीन बार पता-ठिकाने की विफलता के लिए अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के डोपिंग रोधी नियम के अनुच्छेद 2.4 के तहत 16 जुलाई 2025 तक परवीन के निलंबन की पुष्टि की है। आइटीए ने बयान में कहा है कि अपात्रता की अवधि के अलावा 11 दिसंबर 2022 से 17 मई 2024 के बीच प्राप्त एथलीट के परिणाम अयोग्य हैं। कोविड के कारण एशियन गेम्स 2022 को स्थगित कर दिया गया था और सितंबर 2023 से 8 अक्टूबर 2023 तक आयोजित किया गया था। हांगझाऊ में परवीन ने महिलाओं की 57 किग्रा में कांस्य जीता था और पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया था। अब वह अपना पदक और कोटा खो देंगी और पेरिस ओलंपिक में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होंगी।

निलंबन आठ महीने घटाया लेकिन, परिणाम किए रद्द- परवीन के एशियन गेम्स पदक खोने को लेकर पुष्टि करते हुए बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआइ) के सचिव हेमंत कलिता ने कहा कि आइटीए ने उनका निलंबन आठ महीने घटा दिया है, लेकिन उस अवधि के दौरान उनके परिणाम भी रद्द कर दिए।

हॉकी- एफआइएच प्रो लीग : पेनल्टी शूटआउट में भारत ने अर्जेंटीना को 5-4 से हराया

पुरुष टीम प्रो लीग के यूरोपीय चरण में आज मेजबान बेल्जियम से भिड़ेगी

एंटवर्प, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी ने यहां एफआइएच हॉकी प्रो लीग के यूरोपीय चरण के शुरुआती मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को 5-4 से हराया। निधारित समय में भारत और अर्जेंटीना के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर रहा, जिससे मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया। शूटआउट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह ने दो दो गोल जबकि अभिषेक ने एक गोल किया। निर्धारित समय में भारत के लिए मनदीप सिंह ने 11वें और ललित उपाध्याय ने 55वें मिनट में गोल दागा। वहीं, अर्जेंटीना के लिए मार्टिनेज लुकास ने 20वें और डोमेन टॉमस ने 60वें मिनट में गोल किया। भारतीय पुरुष टीम प्रो लीग के यूरोपीय चरण में शुक्रवार को मेजबान बेल्जियम से भिड़ेगी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

यश की 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी हुमा कुरैशी, करीना कपूर की जगह ली थी

साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं, जो फिल्म की कहानी और उनके कलाकार से जुड़ी हुई हैं। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। फिल्म में शामिल हो रहे कलाकारों के बारे में जानकारियां फैंस का उत्साह बढ़ था। वहीं अब फिल्म में एक और अभिनेत्री की शामिल होने की खबरें तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रही हैं। चर्चा है कि फिल्म में कियारा आडवाणी पहले ही शामिल हो चुकी हैं। बताया गया है कि एक और बॉलीवुड अभिनेत्री महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कलाकारों में शामिल हो चुकी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी को फिल्म में अहम भूमिका के लिए कास्ट किया गया है। ऐसी अटकलें हैं कि हुमा उस भूमिका के लिए फिल्म में शामिल नहीं हो रही हैं, जिसे करीना कपूर ने मना कर दिया था। हुमा के फिल्म में शामिल होने की खबर ने प्रशंसकों का उत्साह बड़ा दिया है। कहा जा रहा है कि वे किसी नई अहम भूमिका के लिए चुनी गई हैं। हुमा के किरदार के बारे में अन्य जानकारियां जल्द ही सामने आने की उम्मीद है। वहीं इस बीच हुमा को लेकर चर्चा है कि वे अक्षय कुमार और अरशद वारसी की 'जॉली एलएलबी 3' में भी नजर आएंगी। इससे पहले 'टॉक्सिक' में कई अभिनेत्रियों द्वारा मुख्य नायिका की भूमिका निभाने के लिए अफवाहें फैली हुई थीं। ऐसे में जैसा कि इस कहानी को जीवंत करने के लिए तैयार हैं, हम सभी से आधिकारिक घोषणाओं की प्रतीक्षा करने का अनुरोध करते हैं। वहीं बात करें फिल्म की रिलीज के बारे में तो 'टॉक्सिक- ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी है और केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स द्वारा सह-निर्मित है। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह यश की 19वीं फिल्म है।

शाहरुख के 'दीवानगी दीवानगी' गाने में 24 घंटे देरी से पहुंचे थे गोविंदा

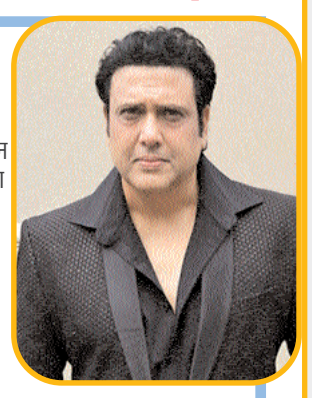

फिल्म 'ओम शांति ओम' के 'दीवानगी दीवानगी' गाने में इंडस्ट्री के लगभग सभी मशहूर सितारे एक साथ जलवा बिखरेते नजर आए थे। गाने में सलमान खान, रानी मुखर्जी, काजोल, गोविंदा समेत तमाम सितारे नजर आए थे। फराह खान ने इसी गाने से जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। बॉलीवुड किंग शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'ओम शांति ओम' के 'दीवानगी दीवानगी' गाने में इंडस्ट्री के लगभग सभी मशहूर सितारे नजर आए थे। इस गाने में एक स्क्रीन में सभी सितारे जलवा बिखरते हुए दिखाई दिए थे। दर्शकों ने फिल्म के इस गाने को खूब पसंद किया था। शाहरुख खान के इस गाने में सलमान खान, सैफ अली खान, रानी मुखर्जी, काजोल, करिश्मा कपूर और रेखा समेत तमाम सितारो नजर आए थे। फराह खान ने गाने के निर्माण से गोविंदा से जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। फराह खान ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि दीवानगी दीवानगी गाने की शूटिंग में गोविंदा लगभग 24 घंटे लेट पहुंचे थे। उन्होंने कहा, गोविंदा 24 घंटे देरी से आए थे। तो हम इंतजार कर रहे थे कि उनकी शूटिंग का समय है, उनका शॉट तैयार है। तो मैंने उन्हें फोन किया चीची, तुम कहां हो? इस पर उन्होंने कहा कि मैं धारावी में शूटिंग कर रहा हूं। तो मैंने कहा कि लेकिन हम तो फिल्म सिटी में हैं। फिर वह अगले दिन शूटिंग के लिए आए थे।

फराह में नहीं है गोविंदा को कोरियोग्राफ करने की हिम्मत

इससे पहले फराह ने एक बातचीत में बताया था, मैंने कोरियोग्राफर के रूप में अपने 30 साल के करियर के दौरान कभी गोविंदा को कोरियोग्राफ नहीं किया है। उन्होंने बताया था कि च्ओम शांति ओमज के गाने की शूटिंग के दौरान भी उन्होंने गोविंदा से शाहरुख खान को अपने स्टेप्स सिखाने के लिए कहा था। फराह ने कहा, दरअसल, जब वह ओम शांति ओम के दीवानगी दीवानगी की शूटिंग के दौरान भी मुझमें उन्हें कोरियोग्राफ करने की हिम्मत नहीं थी। इसलिए मैंने गोविंदा को अपने हिस्से के लिए शाहरुख खान को कोरियोग्राफ करने के लिए कहा था। शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' से दीपिका ने बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया था।

'मैंने प्यार किया' के 'कबूतर जा जा' गाने की शूटिंग के दौरान रोए थे सलमान

बॉलीवुड के भाई सलमान खान के करियर में फिल्म 'मैंने प्यार किया' का अहम रोल है। पहली बार बतौर हीरो वे इसी फिल्म में नजर आए और छा गए। सूरज बड़जात्या की 1989 में आई फिल्म 'मैंने प्यार किया' को लेकर सलमान खान ने हाल ही में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। इस फिल्म के हिट गाने च्कबूतर जा जाज की शूटिंग के दौरान सलमान रोने लगे थे। उनके रोने की वजह क्या थी? आइए जानते हैं... सलमान खान ने ने फिल्म से जुड़ा एक रोचक किस्सा भी सुनाया। सलमान खान ने इस फिल्म के गाने 'कबूतर जा जा...' से जुड़ी घटना याद की और बताया कि इसकी शूटिंग के दौरान उनकी आंखें भर आई थीं। सलमान ने कहा, मैं तब करीब 18 वर्ष का था और कबूतर जा जा जा गाने की शूटिंग एक यादगार पल था। एक ऐसा पल आया, जब मुझे अचानक महसूस हुआ कि यह रोल तो मेरे लिए ही है। फिल्म की नई पीढ़ी के दौरान मैं उस रोल में सिर्फ जैकी श्रॉफ या अनिल कपूर की कल्पना करता था। मैं अपने लिए बड़ी फिल्मों में बड़े रोल में कल्पना ही नहीं कर पाता था। लेकिन, वह पल पहली बार था, जब मुझे वास्तव में लगा कि हां, मैं यह कर सकता हूं। मेरी आंखों में आंसू आ गए थेज। फिल्म में सलमान खान को कई ऑडिशन के बाद चुना गया था। फिल्म हिट होने के बाद सलमान को कुछ महीने खाली बैठना पड़ा था, लेकिन बाद में उनका करियर ट्रैक पर आ गया। 90 के दशक से फिल्मी दुनिया में उतरे सलमान खान 58 साल की उम्र में आज भी फिल्मी पर्दे पर राज कर रहे हैं। सलमान खान के आगामी प्रोजेक्ट की बात करें तो चसिकंदरज उनकी अगली फिल्म है। इसका निर्देशन एआर मुरुगदॉस कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी। सलमान खान ने अपनी फिल्मी पारी की शुरुआत वर्ष 1988 में फिल्म च्बीवी हो तो ऐसीज से की थी। हालांकि, इसमें उनका सपोर्टिंग रोल था। एक साल बाद सूरज बड़जात्या ने च्मैंने प्यार कियाज से सलमान को बतौर हीरो लॉन्च किया। यह फिल्म अभिनेता के करियर में मील का पत्थर साबित हुई। भाग्यश्री के साथ उनकी जोड़ी खूब पसंद की गई।

छोला मंदिर पहुंचे परिजन के साथ बजरंगियों ने किया हंगामा

मनचले से परेशान युवती ने जहर खाकर जीवनलीला कर ली समाप्त

सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवती ने मरने से पूर्व बताया है कि उसे मनचला परेशान कर रहा था, लेकिन परिजन ने पुलिस से कभी शिकायत नहीं की।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित कुटीर नगर छोला में एक युवती ने जहरीला पदार्थ खा लिया। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवती ने मरने से पूर्व यह बताया है कि उसे मनचला परेशान कर रहा था, लेकिन परिजन ने पुलिस से कभी शिकायत नहीं की। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार साक्षी निराला पिता मनोज निराला (20) कुटीर नगर, छोला में रहती थी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। परिजन ने बताया कि साक्षी ने गुरुवार सुबह कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। वह उसे लेकर निजी अस्पताल और बाद में हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे। हमीदिया में इलाज के दौरान गुरुवार शाम उसकी मौत हो गई।

थाने पहुंचे बजरंगी और परिजन

साक्षी की मौत के बाद बजरंग दल परिजन के साथ थाने पहुंचे और हंगामा करने लगे। हंगामे की जानकारी मिलते ही एसीपी रीचा जैन पहुंची थी। उन्होंने बजरंगियों और परिजन से बातचीत की। इस दौरान परिजन ने एक वीडियो दिखाया, जिसमें साक्षी एक युवक पर छेड़ छाड़ और उससे परेशान होकर आत्महत्या की बात कह रही है। वह यह भी कह रही है कि उसके साथ पूर्व में आरोपी द्वारा मारपीट भी की गई है। पुलिस ने परिजन और हंगामा कर रहे बजरंगियों को जांच का आश्वासन दिया। इसके बाद ही बजरंगियों का हंगामा शांत हो सका।

पहले कभी नहीं की शिकायत

पुलिस ने परिजन से पूछताछ की और कहा कि युवक कब से छेड़ छाड़ और परेशान कर रहा था, लेकिन परिजन के पास इसका जवाब नहीं था। कुछ लोग कहने लगे कि काफी समय से परेशान कर रहा था। पुलिस ने कहा कि अभी तक युवक के खिलाफ कोई शिकायत की तो परिजन ने कहा कि आज ही उन्हें छेड़ छाड़ की बात पता चली है। वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद महिला से दुष्कर्म

चाय में नशीला पदार्थ मिलाने और दुष्कर्म के वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के आरोप

भोपाल। महिला थाना पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके इंस्टाग्राम फ्रेंड पर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग समेत दैहिक शोषण की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। महिला का आरोप है कि इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती हुई थी। इसके बाद आरोपी ने उसे मिलने बुलाया और कोल्डिं:क में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था। बाद में वीडियो बनाकर आरोपी उसका दैहिक शोषण कर रहा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार करोंद निवासी 24 साल की महिला शादीशुदा है और गृहणी है। उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर हसनान खान से हुई थी। करोंद निवासी हसनान खान की महिला से चेटिंग और बाद में मोबाइल पर बातचीत होने लगी। हसनान खान ने 11 अगस्त 2024 को महिला को मिलने बुलाया और कोल्ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला दिया। महिला का कहना है कि उसका सिर चकराने लगा और उसने हसनान से घर छोड़ ने की बात कही। हसनान उसे घर न ले जाते हुए अपने दोस्त के फार्म हाउस अयोध्या बायपास स्थित गांव करधई ले गया। वहां महिला से शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने कुछ वीडियो और फोटो ले लिए थे। इसी वीडियो और फोटो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी हसनान उसे होटल और अन्य स्थानों पर मिलने बुलाने लगा और उससे शारीरिक संबंध बनाने लगा।

घर में भी बनाए शारीरिक संबंध

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 28 फरवरी को आरोपी उसके घर पहुंचा और वहां भी आरोपी ने शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान पति घर पहुंच गया। पति ने उससे पूछा तो उसने आपबीती सुनाई। इसके बाद दंपती थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

अज्ञात वाहन ने मार दी टक्कर एक्टिवा सवार युवक की मौत

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित रापड़ि या-बगरौदा सड़ क पर गुरुवार सुबह अज्ञात वाहन ने एक्टिवा सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे के समय युवक आईशर कंपनी में प्रतिदिन की तरह ड्यूटी जाने के लिए निकला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन और चालक की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार अमित कुमार झा पिता रामचरण झा (38) प्रीमियर आर्चेड कॉलोनी, करोंद में रहते थे और आईशर कंपनी में नौकरी करते थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन साल और तीन महीनें के दो बेटे हैं। अमित प्रतिदिन एक्टिवा से बायपास होते हुए आईशर कंपनी जाते थे। गुरुवार सुबह भी वह घर से ड्यूटी जाने के लिए निकले थे। इस दौरान रापड़ि या गांव से बगरौदा की तरफ जाते समय उनकी एक्टिवा को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सकरी सड़ क होने के कारण टक्कर लगते ही वह सड़ क पर घिसटने के बाद एक्टिवा समेत खेत में जा गिरे थे। उन्हें एंबुलेंस की मदद से एम्स में भर्ती कराया गया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वन विभाग के आउटसोर्स कर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल। रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सिकंदराबाद के पास नई बस्ती में वन विभाग के एक आउटसोर्स कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरूआती तफ्तीश में पता चला है कि पेट की बीमारी को लेकर वह तनाव में रहने लगे थे। दो दिन पहले उसकी पत्नी से उनकी किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सिकंदराबाद के पास नई बस्ती निवासी लखन अहिरवार (50) वन विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी थे। उनकी पत्नी निजी कॉलेज में नौकरी करती हैं। बुधवार दोपहर पत्नी ड्यूटी पर कॉलेज चली गई थीं। दोपहर को बेटियों ने बंद कमरे में पिता को फांसी के फंदे पर लटका देखा। शोर सुनकर पड़ ोसी भी मौके पर पहुंच गए थे। दरवाजा तोडकर लखन अहिवार को फंद से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। शुरूआती जांच में सामने आया है कि लखन अहिरवार के पेट में गांठ थी। दो दिन पहले उसने एक चेकअप भी कराया था। उसी दिन उनका पत्नी से विवाद भी हुआ था। मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया था।

मुख्यमंत्री यादव की सुरक्षा में 3 नए डीएसपी तैनात किए

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य शासन के गृह विभाग ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात एक डीएसपी को हटाकर 3 नए डीएसपी तैनात किए हैं। इसके बाद अब मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात होने वाले अफसरों में रिक्त पदों का कोटा पूरा हो गया है। गुरुवार को विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के मुताबिक एसडीओपी भांडेर जिला दतिया कर्णिक श्रीवास्तव को उप पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा के पद पर पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार एसडीओपी पवई जिला पन्ना सौरभ रत्नाकर और सहायक सेनानी आरएपीटीसी इंदौर हेमेंद्र सूर्यवंशी को भी उप पुलिस अधीक्षक मुख्यमंत्री सुरक्षा बनाया गया है।

इधर मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात डीएसपी भैयालाल प्रजापति को उप पुलिस अधीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। दरअसल मुख्यमंत्री के सुरक्षा दस्ते में डीएसपी के 6 पद स्वीकृत हैं। गुरुवार को जारी आदेश में एक डीएसपी को हटाया गया, जिसके बाद कुल तीन पद खाली हुई। इन तीनों पदों पर नए अधिकारियों की पदस्थापना कर दी गई, जिसके बाद सीएम का सुरक्षा दस्ता पूरा हो गया। उल्लेखनीय है कि इसके पहले बुधवार को गृह विभाग ने 8 आईपीएस अफसरों समेत कुल 68 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक और कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षकों के तबादला आदेश जारी किए थे।

अचानक पेट में तेज दर्द होने पर कुक को किया हमीदिया में भर्ती, तोड़ दिया दम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीटी नगर इलाके में स्थित रोशन पुरा चौराहे पर एक होटल के कुक की इलाज के दौरान हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई। कुक नेपाल का रहने वाला थाए वह यहां अकेला रहकर काम कर रहा था। विगत 27 फरवरी को अचानक पेट में दर्द होने पर उसे एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती किया गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। वह अधिक शराब पीने का आदी थ।

पुलिस के अनुसार मूलरूप से नेपाल निवासी महेश शर्मा पुत्र नरेश्वर शर्मा (35) यहां वल्लभ नगर में रहते थे और रोशनपुरा की एक होटल में कुक का काम करते थे। विगत 27 फरवरी की शाम अचानक महेश के पेट में तेज दर्द होने लगा। अन्य कर्मचारी और राहगीरों ने एंबुलेंस की मदद से जेपी अस्पताल रवाना किया। वहां से उसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि युवक शराब पीने का आदी थी। शराब की लत के कारण वह कारण वह बीमार रहने लगा था। मृतक की पत्नी दिल्ली में काम करती है। दो बच्चे नेपाल में रहते हैं। मृतक की पत्नी चार दिन पहले भोपाल आ गई थी। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण सामने आ सकेंगे।

कार से एटीएम और रुपए ले गए चोर

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में एक महिला की कार से चोर पर्स चोरी कर ले गए। चोरी गए पर्स में एटीएम कार्ड और 14 हजार रुपए नगद रखे हुए थे। पुलिस के मुताबिक मालती नायर (42) हमीदिया अस्पताल में टेक्नीशियन हैं। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह ड्यूटी पर पहुंची थी। उन्होंने अपनी कार पार्किंग में खड़ी की और ड्यूटी चली गई। शाम को वापस कार के पास पहुंची तो अंदर रखा उनका पर्स गायब था। बुधवार की शाम को मालती ने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इधर रातीबड़ थानांतर्गत सूरज नगर में रहने वाले आशीष मारण के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर जेवरात और 2 मोबाइल फोन समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। इसी प्रकार तलैया थानांतर्गत टोल वाली मस्जिद के पास रहने वाले अब्दुल अजीज के मकान का ताला तोड़कर चोर सोने-चांदी के जेवरात समेत करीब 55 हजार का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

कलारी के पास मिली युवक की लाश, मर्ग दर्ज, जांच शुरू

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित संजय नगर के पास कलारी के सामने एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली है। पुलिस ने पंचनामा बनाकर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 9 बजे सूचना मिली कि संजय नगर के पास कलारी के नजदीक एक व्यक्ति की लाश पड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। तलाशी लेने पर उसकी जेब से एक मोबाइल नंबर मिला था। उस नंबर पर संपर्क करने पर मृतक की पहचान राजकुमार सनगानी पुत्र मनोहर सनगानी (46) के रूप में हुई। वह शाहजहांनाबाद स्थित ईदगाह हिल्स में ही रहता था। मौके पर पहुंचे परिवार वालों ने पुलिस को बताया कि मृतक राजकुमार सनगानी कोई काम नहीं करता था। उसकी पत्नी निजी स्कूल में टीचर की नौकरी करती है। राजकुमार को काफी अधिक शराब पीने की लत थी। मर्ग कायम कर पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

मेट्रो एंकर मकान मालिक गया था परिवार समेत श्रीमद् भागवत कथा सुनने

सूने मकान में नौकर ने ही लगाई सेंध, भाई समेत गिरफ्तार, 5 लाख का माल बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

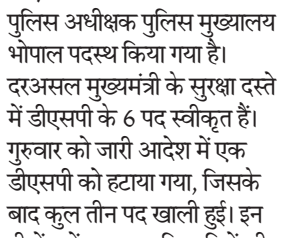

सूखी सेवनिया इलाके में रहने वाले एक युवक ने अपने ही मालिक के सूने मकान पर सेंध लगाकर लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए। घटना के समय पूरा परिवार भागवत कथा सुनने गया था। पुलिस ने नौकर और उसके भाई को गिरफ्तार कर पांच लाख रुपये का माल बरामद कर लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने दो अन्य वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। जानकारी के अनुसार दीवान सिंह रघुवंशी ग्राम पिपलिया जाहिरपीर में रहते हैं। उन्होंने शिकायत की कि पिछले दिनों भागवत कथा के दौरान घर पर कोई नहीं था, तभी अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात चोरी हो गए। इसके साथ ही उन्होंने मवेशियों की रखवाली करने वाले युवक पर शंका भी जाहिर की थी। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दीवान सिंह के यहां काम करने वाला युवक कल्याणपुर ढाबे के पास मौजूद है। मौके पर पहुंची पुलिस ने संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना नाम पुष्पेंद्र रजक बताया। वारदात को लेकर पूछने पर उसने दीवान सिंह के यहां से जेवरात चोरी करना स्वीकार कर लिया। थाने लाकर पूछताछ करने पर बताया कि पिछले साल अगस्त महीने में उसने अपने भाई मोहन रजक के साथ मिलकर पड़ोसी के यहां चोरी की थी। इसके साथ ही सिद्ध नगर इसरो के पास स्थित एक सूने मकान पर वारदात को अंजाम दिया था। इस पर पुलिस ने उसके भाई मोहन को भी दबोच लिया। दोनों के पास से सोने की दो जोड़ झुमकी, सोने की चार अंगुठी, सोने का हार, सोने का लाकेट, सोने की कान की बाली, दो सोने के मंगलसूत्र, दो चांदी के करधोना, 7 चांदी की पायल समेत कुल 5 लाख रुपये का माल जब्त किया गया है।

पीसी के अग्रज का निधन

भोपाल। कांग्रेस नेता व पूर्व मंत्री पीसी शर्मा के बड़े भाई एवं वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर शर्मा के पिता पीएन शर्मा के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दूरभाष पर पीसी शर्मा से चर्चा कर उन्हें ढांढस बंधाया। अन्य कई कांग्रेस नेताओं ने भी उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर किया गया केस दर्ज

भोपाल। गौतम नगर पुलिस ने एक डीजे वाहन संचालक और चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी तेज आवाज में डीजे बजा रहा था, जिससे लोगों को परेशानी पैदा हो रही थी। जानकारी के अनुसार गौतम नगर पुलिस इलाके में गश्त कर रही थी, तभी गणेश मंदिर छोला रोड पर एक डीजे तेज आवाज में बजाते हुए दिखाई दिया। डीजे में रंग बिरंगी लाइटें लगी हुई थी, जिससे रोड का आवागमन अवरुद्ध हो रहा था। डीजे वाहन में छह बक्से और आठ लाइटें लगी हुई थी। वाहन को मॉडीफाइड कराया गया था। पूछताछ करने पर चालक संचालक ने अपना नाम सूरज केवट और चालक ने अपना नाम मनमोहन केवट बताया। पुलिस ने जब डीजे वाहन को थाने लेकर चलने का बोला तो चालक वाहन लेकर भाग निकला। बाद में पुलिस ने डीजे संचालक और चालक के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022